इंदौर, सोमवार 05 जनवरी 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 60
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

शुद्ध जल प्रदाय करने पर प्रशासन फोकस

पेज-2

अभी संन्यास लेने का इरादा नहीं- स्मिथ

पेज-5

42 लाख नाम कटने से भाजपा की चिंता बढ़ी

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- मणिपुर : बिष्णुपुर इलाके में तीन एलईडी ब्लास्ट, दो घायल, सुरक्षाबल मौके पर
- केरल चुनाव : आईयूएमएल ने मांगी अधिक सीटें, कांग्रेस से सीट शेयरिंग पर अगले हफ्ते बात
- पीएम मोदी ने ममता बनर्जी को दी जन्मदिन की बधाई, एक्स पर किया पोस्ट
- कर्नाटक : बेंगलुरु में पंचमुखी नागदेवता मंदिर जा रहे श्रद्धालुओं पर पथराव
- 'भारत पर टैरिफ और बढ़ा सकते हैं...', रूसी तेल खरीदने को लेकर ट्रंप ने दी नई धमकी
- असम में सुबह-सुबह भूकंप, मोरीगांव में 5.1 तीव्रता के झटके
- वेनेजुएला पर अमेरिकी कार्रवाई को लेकर मीडिया को ब्रीफ करेगी ट्रंप प्रशासन की टीम
- उत्तर कोरिया ने हाइपरसोनिक मिसाइलों का किया परीक्षण
- ड्रग केस में आज मादुरो की कोर्ट में होगी पेशी, अमेरिकी कार्रवाई पर सवाल उठाएंगे वकील

क्यों नगर सरकार परिपक्व और मजबूत अधिकारियों को स्वीकार नहीं कर पा रही ?

महापौर की चार आईएएस आयुक्तों और 20 से अधिक अधिकारियों से पटरी नहीं बैठी!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर नगर निगम के मौजूदा महापौर परिषद के साढ़े तीन साल के कार्यकाल को अगर प्रशासनिक स्थिरता के पैमाने पर परखा जाए, तो तस्वीर बेहद असहज करने वाली नजर आती है। इस दौरान एक के बाद एक मजबूत और निर्णायक आईएएस अधिकारियों का आना-जाना यह सवाल खड़ा करता है कि आखिर दिक्कत अफसरों में है या उस व्यवस्था में, जो दबाव में झुकने को ही प्रशासनिक कुशलता मानती है।

भागीरथपुरा कांड की गाज अफसरों पर गिर चुकी है, लेकिन असली सवाल अब भी खड़ा है, उन जिम्मेदारों का क्या, जो फाइलों को उलझाने, निर्णयों को लटकाने और व्यवस्था को अपने हिसाब से मोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ते...? देश-विदेश में इंदौर की छवि को जो आघात पहुंचा, जिस तरह राजनीतिक बवंडर मचा, उसके बाद मुख्यमंत्री को प्रशासनिक निर्णय लेना पड़ा, लेकिन क्या सिर्फ अफसरों को बदल देने से सच बदल जाएगा...? हकीकत यह है कि साढ़े तीन साल में इंदौर को पांचवां आईएएस कमिशनर मिला है। इस दौरान 20 से ज्यादा अधिकारी या तो ट्रांसफर होकर चले गए या दोबारा यहां आने की इच्छा तक नहीं जताई। यह सामान्य प्रशासनिक संयोग नहीं, बल्कि गंभीर सिस्टम फेल्योर का संकेत है।

अफसरों का जाना, व्यवस्था का आईना

यह हम नहीं कह रहे, वे सभी कमिश्नर इसके गवाह हैं, जिन्होंने इंदौर से जाना ही अपनी भलाई समझी। सवाल यह है कि ऐसा क्या है इंदौर नगर निगम में, जहां मजबूत और परिपक्व अधिकारी टिक नहीं पा रहे...? विभागीय जांच, निलंबन और ट्रांसफर प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं। यह भी सच है कि अफसर दूध के धुले नहीं होते—भ्रष्टाचार, लापरवाही और मनमानी के मामले सामने आते रहे हैं। लेकिन क्या हमारे जनप्रतिनिधि हरिश्चंद्र हैं...? नगर निगम की नेतानगरी के किस्से भी जगजाहिर हैं, बिल्डरों, कॉलोनाइजरों और ठेकेदारों से वसूली, हर फाइल में कमीशन का तयशुदा रेट, और फिर चमत्कारिक तरक्की—टू-व्हीलर से फॉर्च्यूनर तक का सफर...। यह सब शहर जानता है, पर बोलने से कतराता है।

क्या दिल्ली स्तर की जांच जरूरी है...?

अब सवाल यह नहीं कि कौन सा अफसर दोषी है, सवाल यह है कि इंदौर नगर निगम में ऐसा क्या चल रहा है, जिसे हर मजबूत अधिकारी सिरे से नकार देता है? अगर दिल्ली स्तर से स्वतंत्र जांच हो, तो कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आ सकते हैं कि हर बार मंशा क्या रहती है, फैसले क्यों अटकते हैं और आखिर प्रशासनिक अस्थिरता का असली लाभ किसे मिलता है। साढ़े तीन साल में चार-चार कमिश्नरों का जाना शहर के लिए सामान्य बात नहीं है। यह शहरवासियों के लिए भी सोचने का वक्त है कि क्या इंदौर में समस्या अफसरों की है या व्यवस्था पर कब्जा जमाए उन ताकतों की, जिन्हें जवाबदेही स्वीकार नहीं...? क्योंकि अगर नगर सरकार मजबूत अफसरों को स्वीकार नहीं कर पा रही, तो सवाल सिर्फ प्रशासन का नहीं—शहर के भविष्य का है।

फिर भी टकराव क्यों...?

आईएएस प्रतिभा पाल, हर्षिका सिंह, शिवम वर्मा और दिलीप कुमार यादव, चारों कमिश्नर ने अपने-अपने तरीके से काम करने की कोशिश की। प्रशासनिक दृढ़ता दिखाई, सिस्टम को कसने का प्रयास किया, फिर भी हर बार टकराव पैदा हुआ। यह संकेत साफ है कि व्यक्तिगत क्षमता तब सीमित हो जाती है, जब राजनीतिक दबाव, पारिवारिक हित, क्षेत्रीय समीकरण और चुनावी गणित प्रशासन पर हावी हो जाएं।

महापौर परिषद के साढ़े तीन साल के कार्यकाल की कड़वी सच्चाई

प्रतिभा पाल : दबाव में न झुकने की कीमत

तत्कालीन कमिश्नर आईएएस प्रतिभा पाल के कार्यकाल में इंदौर ने प्रवासी भारतीय सम्मेलन और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजनों का सफल नेतृत्व किया। अतिथि देवो भव: की भावना के अनुरूप शहर ने अपनी प्रशासनिक क्षमता का परिचय दिया और इंदौर का नाम देश-विदेश में गौरवान्वित हुआ। इस दौरान प्रतिभा पाल ने निगम हित में कई कठोर और अलोकप्रिय निर्णय भी लिए। दबाव में काम करने से उन्होंने स्पष्ट इनकार किया। यही स्पष्टता और दृढ़ता अंततः उनके लिए असहज साबित हुई और उन्हें रीवा कलेक्टर बनाकर इंदौर से विदा कर दिया गया।

हर्षिका सिंह : फाइल के बिना कोई फैसला नहीं

2012 बैच की आईएएस हर्षिका सिंह जब इंदौर नगर निगम आईं, तो उनका प्राथमिक फोकस निगम की आर्थिक स्थिति सुधारने और आधारभूत ढांचे को मजबूत करने पर रहा। सर्वेक्षण के दौरान दिखावे के बजाय संरचनात्मक मजबूती पर जोर दिया गया। दबाव बने, जादूगरी के कई प्रयास हुए, यहां तक कि उन्हें मानसिक दबाव में लाने के लिए प्रतीकात्मक हथकंडे भी अपनाए गए, लेकिन उन्होंने स्पष्ट और सार्वजनिक इनकार किया। उनका कसूर सिर्फ इतना था कि वे फर्जी फाइलों को लेकर सख्त थीं और बिना दस्तावेज देखे कोई निर्णय नहीं लेती थीं। नतीजा यह हुआ कि मात्र 11 माह के कार्यकाल में उन्हें भी असंतोष और नाराजगी का शिकार बना दिया गया। हालांकि जाते-जाते वे ड्रेनेज घोटाले को लेकर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी नोटशीट पर दर्ज कर गईं, जो निगम हित में आज भी संदर्भ बिंदु मानी जाती है।

शिवम वर्मा : अधिकार क्षेत्र पर अडिग

2013 बैच के आईएएस शिवम वर्मा ने भी शुरूआत से ही फाइलों को गंभीरता से लिया। चाहे लीज के मामले हों या बिल्डिंग परमिशन की हाईराइज फाइलें, उन्होंने आखिरी समय तक बिना संतोषजनक प्रक्रिया के निर्णय नहीं किए। अफसरों के ट्रांसफर को लेकर जनप्रतिनिधियों का दबाव भी बना, लेकिन शिवम वर्मा अपने अधिकार क्षेत्र को लेकर डटे रहे। डेढ़ साल के कार्यकाल के बाद उन्हें इंदौर कलेक्टर बनाकर प्रमोट किया गया, लेकिन निगम में उनका कार्यकाल भी टकराव की मिसाल बनकर रह गया।

दिलीप कुमार यादव : तेज फैसले

निगम की कमान सौंपी गई तेज-तर्रार आईएएस दिलीप कुमार यादव को। उनके आते ही एक विशेष राजनीतिक धड़ा खुलकर विरोध में उतर आया। वजह थी, उनकी तेज, मौके पर जाकर निर्णय लेने वाली कार्यशैली। निगम की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए वार्ड 84 में राजस्व का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया। मात्र 12 घंटे में तीन हजार संपत्तियों के सही करेक्शन के बाद साढ़े तीन करोड़ रुपये से अधिक की टैक्स वसूली की गई। यह सफलता कुछ नेताओं को रास नहीं आई। नतीजा यह हुआ कि भंवरकुआं थाने पर कमिश्नर के खिलाफ प्रदर्शन हुआ, मुर्दाबाद के नारे लगे। यह टकराव शहर की राजनीति, जनप्रतिनिधियों और अफसरशाही के बीच एक खुले संघर्ष का रूप ले चुका था। इसके बाद कुछ ऐसी फाइलें, जो अनावश्यक थीं और जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने वाली थीं, उन्हें रोक दिया गया। इससे भी कुछ नेताओं की नाराजगी और बढ़ी और फिर जो हुआ, वह शहर ने देखा।

क्षितिज सिंघल : असली परीक्षा अब

अब बारी है नए निगम कमिश्नर आईएएस क्षितिज सिंघल की। उन्होंने आते ही भागीरथपुरा कांड में मोर्चा संभाल लिया है, लेकिन असली परीक्षा अब शुरू होगी। उन्हें निगम की आर्थिक स्थिति सुधारने के साथ-साथ अनावश्यक व्यय पर अंकुश लगाना होगा। यह राह आसान नहीं होगी और संभव है कि वे भी विरोध के केंद्र में आ जाएं, लेकिन शहरहित के लिए यह जरूरी है।

एमपी ऑनलाइन से डीएवीवी लेगा अंक, ऑनलाइन पर अंक नहीं मिलने पर रिजल्ट रुकेगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● राष्ट्रीय शिक्षा नीति सत्र 2025-26 पीजी स्तर के एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा पहले सेमेस्टर, एक वर्षीय पीजी पाठ्यक्रम पहले सेमेस्टर और दो वर्षीय पीजी पाठ्यक्रम पहले सेमेस्टर के अंक देवी अहिल्या विश्वविद्यालय 17 जनवरी तक लेगा।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक ने सभी से कहा है कि उक्त पाठ्यक्रम के नियमित व स्वाध्यायी विद्यार्थियों की प्रायोगिक, आंतरिक, इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप, सेमिनार, वेल्यू के एडेड कोर्स, प्रोजेक्ट वर्क की प्रायोगिक परीक्षा आयोजित कर अंक भेजे जाए। अंक एमपी ऑनलाइन के माध्यम से विश्वविद्यालय को भेजे जाना है। ऑनलाइन पर अंक नहीं मिलने पर विद्यार्थियों का रिजल्ट रोक दिया जाएगा जिसकी पूरी जवाबदारी महाविद्यालय के प्राचार्य की रहेगी।

नियुक्ति पत्र भी जारी- प्रायोगिक परीक्षा के नियुक्ति पत्र भी जारी कर दिए हैं। किसी परीक्षक के मना, असमर्थता व्यक्त करने पर विश्वविद्यालय के गोपनीय विभाग को सूचित करने या विश्वविद्यालय के मेल आईडी पर सूचित करने को कहा है। गोपनीय विभाग की सहमति के बगैर अपनी मर्जी से परीक्षक बदलने पर परीक्षा निरस्त की जाएगी। सीसीई के अंकों का संधारण विभागाध्यक्ष के डिजीटल सिग्नेचर के माध्यम से सूक्ष्म निगरानी में हो। विभागाध्यक्ष के डिजीटल सिग्नेचर निष्क्रिय होने की स्थिति में सीसीई के अंकों का संधारण प्राचार्य के डिजीटल सिग्नेचर के माध्यम से सूक्ष्म निगरानी में किया जाए।

भागीरथपुरा के मुद्दे पर बड़े आंदोलन की तैयारी में कांग्रेस

11 जनवरी को आ सकते हैं राहुल गांधी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भागीरथपुरा मुद्दे पर मध्य प्रदेश की राजनीति भी गरमा गई है। कांग्रेस ने दूषित पेयजल के मामले में प्रदेश सरकार की घेराबंदी तेज कर दी है। रविवार को प्रदेश के कई जिलों में कांग्रेस ने प्रदर्शन किए, लेकिन इंदौर में प्रदर्शन नहीं हुए, जबकि शनिवार को पुलिस ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक रमेश मेंदोला के निवास पर पहरा लगाया था। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस इंदौर में बड़ा प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही है। प्रदेशभर से कांग्रेस के कार्यकर्ता इंदौर आएंगे। 11 जनवरी इसकी तारीख तय की गई है। आंदोलन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी शामिल हो सकते हैं। इसकी तैयारियां प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शुरू कर दी है। वे रविवार को इंदौर आए और आंदोलन की रुपरेखा तैयार करने में जुट गए है। गांधी भवन में उन्होंने इस बारे में एक बैठक भी ली है।

संघ ने भी फीडबैक पहुंचा

इस घटना पर आरएसएस की भी निगरानी है। संघ की एक बैठक शनिवार को हुई थी। अफसरों द्वारा जनप्रतिनिधियों की अनदेखी को लेकर संघ तक भी शिकायतें पहुंची है। संघ ने भी इस मामले में अपना फीडबैक वरिष्ठ पदाधिकारियों को दिया है। उधर भाजपा संगठन ने इस मामले को अब ज्यादा तूल देने के लिए भाजपा के जनप्रतिनिधियों को मना किया है।

शनिवार को जिस तरह से भागीरथपुरा में भाजपाई और कांग्रेसी आमने-सामने हुए। उसे भी संगठन ने गंभीरता से लिया है। शनिवार को प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद इंदौर में थे। उन्होंने मेयर पुष्य मित्र भार्गव, जलकार्य समिति प्रभारी बबलू शर्मा और पार्षद कमल वाघेला को अनावश्यक बयानबाजी करने के लिए मना किया है।

मौसम | साल बदलते ही मौसम में आया बदलाव

छाया घना कोहरा, मात्र 100 मीटर रह गई दृश्यता

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शनिवार को घने कोहरे के कारण सुबह दृश्यता घटकर 100 मीटर ही रह गई, जबकि दो-तीन दिन पहले तक 2-3 किमीमीटर तक साफ दिखाई दे रहा था। शाम को भी यह मात्र 1500 मीटर ही रह गई थी। कोहरा इतना मना था कि सुबह भी सड़कों पर वाहन चालक लाइट जलाकर गाड़ी चला रहे थे और कुछ ही दूरी पर स्थित चीज नजर नहीं आ रहीं थी।

घने कोहरे की स्थिति को देखते हुए इंदौर एयरपोर्ट के एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) ने भी यहां आने वाली उड़ानों को पहले ही सूचित कर दिया था, जिसके चलते ज्यादातर उड़ानें देरी से ही अन्य शहरों से पर रवाना हुई। साल अदलते ही मौसम भी बदल गया। शहर में शुक्रवार से ही अचानक कोहरा छाने लगा और ठंडी हवाओं ने शहर को विदुरने मजबूर कर दिया। सुबह कोहरा इतना ज्यादा था कि लोगों को सुबह बजे तक गाड़ियों में लाइट लगाकर चलना पड़ा। शहर के बाहरी इलाकों में तो कोहरा और ज्यादा मना था।

बादलों के कारण दिन का तापमान गिरा: बादलों के कारण दिन का तापमान तो गिरा, लेकिन रात का बढ़ गया है। मौसम केंद्र के मुताबिक शुक्रवार से ही दिन के तापमान के गिरने की शुरुआत हो गई थी। शनिवार को यह गिरकर 21.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, यह सामान्य से 3 डिग्री कम रहा। जबकि शुक्रवार को यह 24.2 डिग्री रहता था। वहीं रात से सुबह के बीच न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री रहा जो सामान्य से 3 डिग्री और गुरुवार-शुक्रवार की अपेक्षा 0.2 डिग्री ज्यादा था। इस दौरान हवाओं की दिशा पूर्वी रही और अधिकतम रफ्तार 17 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंची।

उड़ानें घंटों लेट होने से यात्री हुए परेशान

इंदौर में शनिवार सुबह से घना कोहरा छाया रहा। इसका सबसे ज्यादा असर इंदौर से जुड़े हवाई यातायात पर पड़ा। इंदौर में जहां 6.40 बजे से विमानों का उतरना शुरू हो जाता है, वहीं शनिवार को घने कोहरे के कारण पहला विमान 9.30 बजे उत्तर पाया। उड़ानों के आने में देरी होने से जाने वाली भी उड़ानें लेट रही। कोहरे के कारण 16 से ज्यादा फ्लाइट दो से तीन घंटे देरी से संचालित हुई। इसके कारण यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जाने वाली उड़ानें भी हुई लेट: इंदौर आने वाली उड़ानों के लेट होने के कारण इनकी वाइसी की सभी उड़ानें भी लेट रही। वहीं जो विमान रात को ही इंदौर पहुंच गए थे उनका डिपार्चर भी तय समय से देरी से ही हुआ।

दिन में बढ़ी ठिठुरन

दिन के अधिकतम तापमान में कमी आने से दिन में भी ठंड का एहसास होने लगा है जो धूप चुभती थी, वह अब गुनगुनी लगने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिन ऐसा ही मौसम देखने को मिलेगा दिन के तापमान में थोड़ी और कमी आ सकती है।

नासिक की उड़ान रही निरस्त

शनिवार को इंडिगो एयरलाइंस ने नासिक की उड़ान को निरस्त किया है। यह फलाइट (6ई 7109) इंदौर से दोपहर 1.30 बजे नासिक जाती है और शाम 4.15 बजे नासिक से वापस इंदौर आती है।

मप्र में सरकारी नौकरी के लिए हटाई जाएगी अधिकतम दो बच्चों की शर्त

मंगलवार को होने वाली कैबिनेट में प्रस्ताव भेजने की तैयारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरी के लिए अधिकतम दो बच्चों की शर्त हटाई जाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए प्रस्ताव मंगलवार को होने वाली कैबिनेट बैठक में भेजा जा सकता है।

सामान्य प्रशासन विभाग ने विधि विभाग से परामर्श के बाद नियम में संशोधन का प्रस्ताव तैयार कर लिया है। मालूम हो कि राजस्थान और छत्तीसगढ़ सरकार यह शर्त पहले ही हटा चुकी हैं । इसके साथ ही एक और बड़ा परिवर्तन नियमों में परिवीक्षा (प्रोबेशन) अवधि को लेकर किया जा रहा है। परिवीक्षा अवधि पूरी होने के छह माह में ही कर्मचारी को नियमित कर दिया जाएगा। यह मामला भी निर्णय के लिए कैबिनेट में प्रस्तुत होगा। प्रदेश में 26 जनवरी, 2001 से यह प्रावधान है कि तीसरा बच्चा होने पर सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी।

साथ ही जो पहले से नौकरी में होंगे और निर्धारित अवधि के बाद तीसरी संतान होने पर सेवा समाप्त करने का नियम है। इसके कारण कई लोगों को नौकरी से हाथ धोना पड़ा। यह प्रावधान तब किया था, जब प्रजनन दर अधिक थी।

न्यूज ब्रीफ

समाजवादी पार्टी आदिवासी मोर्चा ने की इस्तीफे की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

हातोद ● समाजवादी पार्टी आदिवासी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष चंदन सिंह मकवाना ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि भारत के

सबसे स्वच्छ शहर इंदौर भागीरथपुरा में दूषित जल से 16 मोते हो गई है। इनकी जिम्मेदारी कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गी और इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव की है। भागीरथपुरा से विजयवर्गीय के घर का फैसला डेढ़ से 2 किलोमीटर का है और यह क्षेत्र के विधायक भी हैं इन्हीं का ही क्षेत्र का पार्षद कमल वाघेला है जिससे क्षेत्र की जनता ने कई बार शिकायत है कि की नर्मदा का पानी गंदा आ रहा है बदबूदार आ रहा है लेकिन उन्होंने अनसुनी कर दी और झूला झूलते रहे। क्षेत्र की मंजूर बड़ी फाइल 6 महीने से नगर निगम में धूल खा रही वह भी मात्र कमीशन के चक्कर में 16 निर्दोष लोग मौत के मुंह में समा गए और करीब 22 लोग गंभीर रूप से बीमार हैं 1000 लोग दूषित पानी से बीमार है इन सब की जिम्मेदारी इंदौर महापौर कैबिनेट मंत्री क्षेत्रीय पार्षद की है। नैतिकता के आधार पर इन सभी को इस्तीफा दे देना चाहिए और अगर यह बेशर्म लोग इस्तीफा नहीं देते तो मध्य प्रदेश की मोहन सरकार को तुरंत एक्शन लेकर इन सभी से इस्तीफा लेना चाहिए यही मांग समाजवादी पार्टी आदिवासी मोर्चा करता है।

हर चुनौती का सामना करना है, बीमार नहीं, मजबूत बनना है-नारायण राव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नववर्ष के अवसर पर तिलक नगर कम्युनिटी हॉल में आयोजित विशेष स्वास्थ्य सेमिनार में जीवनशैली सुधार, शरीर शुद्धिकरण (डिटॉक्स), रोग निवारण, समय से पहले होने वाली वृद्धावस्था (प्रीमेच्योर एजिंग), ऊर्जा संचयन (एनर्जी हार्वेस्टिंग) तथा पोषण संबंधी वैज्ञानिक पहलुओं पर गहन विचार-विमर्श किया गया। सेमिनार में विशेषज्ञों ने कहा कि आज की अधिकांश बीमारियों की जड़ असंतुलित खानपान, कमजोर पाचन तंत्र और शरीर में बढ़ते विषैले तत्व हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. ए. के. द्विवेदी, कार्य समिति सदस्य, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने कहा कि स्वस्थ रक्त ही कार्यक्षमता, रोग प्रतिरोधक क्षमता और दीर्घायु जीवन का मूल आधार है।

प्रभावितों के उपचार के साथ ही, शुद्ध जल प्रदाय करने पर प्रशासन फोकस

फील्ड में कलेक्टर, नगर निगम आयुक्त सहित अमला सुबह से पहुंचा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्रभावितों के उपचार पर निगरानी तीन स्तरों पर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने रविवार सुबह से ही अमले के साथ भागीरथपुरा क्षेत्र में पहुँच कर स्थिति पर नियंत्रण के लिए तमाम उपाय किये जा रहे है। कलेक्टर वर्मा ने कहा है कि प्रभावितों के उपचार के लिए तीन स्तर पर लगातार कार्य किया जा रहा है।

क्षेत्र से ऐसे व्यक्ति जिन्हें लक्षण दिखाई दे रहे है, उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है। हालांकि अब प्रभावित नही है, लेकिन फिर भी प्रशासन सतर्क है। दूसरा जो मरीज अस्पतालों में भर्ती है, उनके उपचार के लिए निगरानी की जा रही है। तीसरा जो मरीज डिस्चार्ज होकर घर पहुँचे है,उनके स्वास्थ्य की भी

जानकारी प्राप्त की जा रही है। नगर निगम का अमला लगातार क्षेत्र में सर्वे के साथ ही रिंग सर्वे में जुटा है। लीकेज भी ढूंढे जा रहे है। कुछ लीकेज ठीक भी किये जा चुके है। साथ ही शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। पानी को क्लोरीनेशन किया जा रहा है, घर घर जल की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जा रही है।

पेयजल के लिए, क्लोरिनेटेड वॉटर सप्लाई किया जा रहा है। जबकि अन्य उपयोग के लिए जिन बोरवेल के सेंपल लिए, गए और उपयोग हेतु ठीक पाये गए,उसका उपयोग अन्य कामो में किया जा सकता है। कलेक्टर श्री वर्मा ने भागीरथपुरा क्षेत्र का भ्रमण कर नागरिको से भी आवश्यक चर्चा कर रहे है।

परामर्शदाताओं और विद्यार्थियों द्वारा भागीरथपुरा बस्ती में सेवा कार्य

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के माननीय उपाध्यक्ष मोहन नागर और कार्यपालक निदेशक महोदय डॉक्टर बकुल जी लाड़ के निर्देशन और मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के परामर्शदाताओं और विद्यार्थियों द्वारा इंदौर नगर में स्थानीय भागीरथपुरा बस्ती क्षेत्र में दूषित पानी पीने से उत्पन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के निराकरण और जागरूकता के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ सहायता अभियान चलाया गया। इंदौर विकासखंड के MSW और BSW के 100 से अधिक विद्यार्थियों और परामर्शदाताओं द्वारा स्वास्थ्य विभाग, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और अन्य विभाग के कार्यकर्ताओं के

साथ मिलकर तीन समूहों में बस्ती में डोर टू डोर अपनी सेवाएं दी जा रही है। पहले समूह द्वारा पीड़ितों और संभावितों के चिन्हांकन कर सर्वे प्रपत्र भरने में, दूसरे समूह द्वारा पीड़ितों और प्रभावितों को प्राथमिक उपचार सामग्री व संक्रमण से बचाव सामग्री के वितरण और तीसरे समूह द्वारा जन जागरण, आई.ई.सी गतिविधियों, पीड़ितों को उपचार केंद्र तक पहुंचाने में अपनी सेवाएं प्रदान की जा रही है। इस दौरान समन्वयन एवं बेहतर क्रियान्वयन की दृष्टि से परिषद के संभाग समन्वयक श्री अमित शाह, जिला समन्वयक श्रीमती ऋतुजा पहाड़े, विकासखंड समन्वयक प्रवेश शर्मा भी सम्मिलित हो रहे हैं।

भागीरथपुरा क्षेत्र के सभी बोरिंगों और होज का क्लोरिनेशन होगा

इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में हुई जलजनित घटना को लेकर स्मार्ट सिटी कार्यालय में कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में रविवार सुबह बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर शिवम वर्मा ने भागीरथपुरा क्षेत्र में विभिन्न विभागों द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि भागीरथपुरा क्षेत्र में कोलकत्ता, दिल्ली और भोपाल से आये विशेषज्ञ डॉक्टर्स की टीम कार्य कर रही है। पानी की टेस्टिंग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। क्षेत्र में स्थित सभी बोरिंगों का क्लोरिनेशन किया जायेगा। साथ ही घरों में बेसमेंट में बने होज को क्लीन कर उसका भी क्लोरिनेशन किया जायेगा। उसके बाद ही क्षेत्र के नागरिक बोरिंगों के पानी का इस्तेमाल करेंगे।

बैठक में अपर कलेक्टर नवजीवन पंवार, कोलकत्ता से आई टीम के वैज्ञानिक डॉ. प्रमित घोष, वैज्ञानिक डॉ. गौतम चौधरी और दिल्ली के एनसीडीसी के डॉ.अनुभव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.माधव प्रसाद हसानी, डॉ.अश्विन भागवत, डॉ.अभिजीत प्रकार, डॉ.सविता अखण्ड डॉ. सैलविया, शैलेन्द्र कुमार, डॉ.अंशुल मिश्रा, डॉ.रूपामी जोशी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर वर्मा ने कहा कि शहर में जीबीएस (गुइलेन-बैरे सिंड्रोम) बीमारी का कोई भी मरीज नहीं पाया गया। भागीरथपुरा क्षेत्र में कोलकता,दिल्ली और भोपाल से आई टीम, नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग और संबंधित विभागों के साथ मिलकर पानी की जाँच कर रही है। जहाँ पर दूषित पानी पाया जायेगा,उसे चिन्हित कर उचित प्रबंध किया जायेगा। साथ ही क्षेत्रीय नागरिकों को भी जागरूक किया जा रहा है कि वे अपने बोरिंग और होज का क्लोरिनेशन कराने में सहयोग दें। इसके लिये भागीरथपुरा के पूरे क्षेत्र को 30 से अधिक बीटों में बांटा किया गया। हर बीट में कर्मचारियों और नागरिकों के साथ मिलकर क्लोरिनेशन का कार्य किया जायेगा। इसके लिये पूरे क्षेत्र को अवगत कराया जा रहा है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि कोलकत्ता से आये वैज्ञानिक डॉ.प्रमित घोष और वैज्ञानिक डॉ. गौतम चौधरी दूषित जल के सेम्पल लेकर उसका वैज्ञानिक तरीके से जाँच करेंगी। इसके लिये उक्त टीम भागीरथपुरा क्षेत्र में पानी के रेण्डम सेम्पल एकत्रित करेंगी। इस कार्य में उक्त टीम नगर निगम, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय बनाकर कार्य करेंगी। इसका मकसद नागरिकों को शुद्ध जल उपलब्ध कराना है। साथ ही घटना के हर पहलुओं की निगरानी कर कारण तलाशने में मदद करेगी।

कलेक्टर वर्मा ने कहा कि भागीरथपुरा क्षेत्र में स्टेट सर्विलांस और विशेषज्ञ डॉक्टर्स की टीम द्वारा माइक्रो लेवल पर निगरानी का कार्य किया जा रहा है। सामुदायिक स्तर पर भी स्थानीय नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। कलेक्टर वर्मा ने कहा कि भागीरथपुरा क्षेत्र में टेंकरों के माध्यम से शुद्ध पेयजल वितरित कराया जा रहा है। नागरिकों को पानी उबलकर पीने की समझाइश दी जा रही है। पानी की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिये क्लोरिन (लिक्विड) भी दिया जा रहा है। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि दूषित पेयजल से विभिन्न अस्पतालों में प्रभावितों का बेहतर उपचार किया जा रहा है। उन्हें आवश्यक दवाइयाँ,इंजेक्शन आदि प्रदान किये जा रहे हैं। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि शहर के जिन क्षेत्रों में दूषित पानी की शिकायतें मिल रही हैं,वहाँ पानी के रेण्डम सैम्पल लिये जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग,नगर निगम, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग आदि विभाग के कर्मचारी द्वारा घर-घर जाकर सर्वे करने का कार्य भी जारी है।

निगम अपर आयुक्त आए आईएएस प्रखर सिंह की शादी में था पावरफुल लीडर और नेताओं का जमावड़ा, अडाणी परिवार सहित पहुंचे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर भागीरथपुरा कांड के बाद अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया को हटाया गया. अब तीन नए आईएएस अधिकारियों को अपर आयुक्त बनाया गया है। इनमें 2019 बैच के आकाश सिंह, 2020 बैच के प्रखर सिंह, और 2020 बैच के प्रमोटी आईएएस आशीष पाठक शामिल हैं। वहीं, निगमायुक्त के तौर पर 2014 बैच के आईएएस क्षितिज सिंघल को कमान सौंपने के आदेश शनिवार सुबह जारी हो गए। इन सब में सबसे ज्यादा हाईप्रोफाइल आईएएस अधिकारी प्रखर सिंह हैं। वह क्यों है हम बताते हैं।

साल 2020 बैच के आईएएस प्रखर सिंह की शादी 7 दिसंबर को भोपाल के ताज होटल में हुई थी। उनकी पत्नी खुशबू हैं, जो छत्तीसगढ़ के बहुत पावरफुल माने जाने वाले रिटायर्ड IRS

अमन सिंह की बेटी हैं। अमन सिंह के रिश्ते छत्तीसगढ़ से लेकर दिल्ली तक बड़े नेताओं और कार्पोरेट जगत से जुड़े हुए हैं।

इस हाईप्रोफाइल शादी में सबसे बड़ा आकर्षण थे गौतम अडाणी, जो अडाणी ग्रुप के प्रमुख हैं। वह अपने पूरे परिवार के साथ शादी में शामिल हुए थे, जो कि बहुत कम देखने को मिलता है। इसका कारण ये है कि अमन सिंह ने रिटायरमेंट के बाद अडाणी ग्रुप जॉइन किया था और अब वह अडाणी ग्रुप के कोर ग्रुप में शामिल हैं।

इस हाई प्रोफाइल शादी में राजनीति, प्रशासन और उद्योग जगत की बड़ी-बड़ी हस्तियां शामिल हुई थीं। उद्योगपति गौतम अदाणी अपने परिवार के साथ शादी में आए। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, सौदान सिंह, मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम और वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, पूर्व मप्र सीएम दिग्विजय सिंह, राजीव शुक्ला, बिहार सरकार के मंत्री नितिन नबीन, राजीव प्रताप रूडी, विवेक तंखा, रविंद्र श्रीवास्तव, महेश जेठमलानी और छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के कई मंत्री और ब्यूरोक्रेट भी इस शादी में शामिल हुए। वर्तमान में बीजेपी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए गए नितिन नबीन भी इस शादी में शामिल हुए थे। इसके पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मुख्य सचिव अनुराग जैन 25 नवंबर को संपन्न विवाह में शामिल हुए थे। तब सिंह अलीराजपुर जिला पंचायत सीईओ पद पर थे।

जल त्रासदी : कांग्रेस ने कहा- भागीरथपुरा कांड लापरवाही नहीं, सुनियोजित हत्या 11 को निकलेगी न्याय यात्रा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भागीरथपुरा दूषित पेयजल मामले में कांग्रेस 11 जनवरी को न्याय यात्रा निकालेगी। इसके साथ ही हर वार्ड में इन मृतकों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। इस घटना के लिए कांग्रेस ने प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री तथा क्षेत्र के विधायक कैलाश विजयवर्गीय के इस्तीफे की मांग की है। इस प्रदर्शन को लेकर शहर के सभी ब्लॉक अध्यक्ष, पार्षद और प्रमुख नेताओं को बुलाया गया था। सभी नेताओं से कहा कि भागीरथपुरा के मुद्दे को लेकर आंदोलन किस तरह से किया जाना चाहिए इस बारे में आप अपने सुझाव दें। सभी नेताओं के द्वारा दिए गए सुझाव के आधार पर यह फैसला लिया गया है कि 11 जनवरी को कांग्रेस के द्वारा भागीरथपुरा के 16 मृतकों के परिवार को न्याय दिलाने के लिए न्याय यात्रा निकाली जाएगी। यह न्याय यात्रा बड़ा गणपति चौराहा से शुरू होगी और राजवाड़ा पर अहिल्या प्रतिमा पर आकर समाप्त होगी। इस यात्रा के माध्यम से इन सभी मृत व्यक्तियों के परिवार जनों के लिए न्याय मांगा जाएगा। भागीरथपुरा के मामले में हुई मौत कोई साधारण मौत या लापरवाही न होकर एक सुनियोजित हत्या है। ऐसे में यह आवश्यक है कि इस घटना के दोषियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाए।

लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के लिए बंगाली चौराहा के पास 5 बीघा क्षेत्र में विशाल यज्ञशाला बनकर तैयार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बंगाली चौराहा, मयूर हॉस्पिटल के पास स्थित मैदान पर 8 से 14 जनवरी तक होने वाले विराट लक्ष्मीनारायण महायज्ञ की तैयारियां अंतिम दौर में पहुँच गई है। रविवार को मालवांचल के जाने-माने संतों महंतों के सानिध्य में महायज्ञ की तैयारियों पर विभिन्न जिलों से आए श्रद्धालुओं ने भव्य यज्ञशाला का अवलोकन कर अपने सुझाव भी दिए। यह यज्ञशाला 5 बीघा क्षेत्र में करीब 8 हजार वर्गफुट

मैदान पर बनाई गई है और इसमें 51 कुण्डीय महायज्ञ होगा। इस दौरान श्रीसूक्त से साढ़े सात लाख एवं पुरुषसूक्त से साढ़े सात लाख, इस तरह कुल पंद्रह लाख आहुतियाँ राष्ट्र में सुख, शांति एवं सद्भावना की कामना से समर्पित की जाएंगी। 5 बीघा क्षेत्र में वाहन पार्किंग की व्यवस्था भी की गई है। 8 जनवरी से यहाँ स्वाहाकार की मंगल ध्वनि प्रारंभ हो जाएगी।

भारतीय नारी का सच्चा आभूषण उसकी मर्यादा : पं. भार्गव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हमारी संस्कृति में नारी को पहले जगह दी गई है। राम के पहले सीता, कृष्ण के पहले राधा, शंकर के पहले गौरी का नाम लिया जाता है। भारतीय नारी का सच्चा आभूषण उसकी मर्यादा है। हमारा समाज मर्यादा की लक्ष्मण रेखा से जुड़ा है। पश्चिम में मर्यादा नाम की कोई व्यवस्था नहीं होने से घर-परिवार टूटते-बिखरते देर नहीं लगती, लेकिन भारत भूमि की विशेषता यह है कि यहां रिश्ते सात जन्मों के लिए बनते हैं, सात दिनों के लिए नहीं। राम मर्यादा पुरूषोत्तम हैं तो सीता भारतीय आदर्श नारी का प्रतिबिंब। मर्यादा के कारण ही आज हमारा भारतीय समाज न केवल बचा हुआ है बल्कि पूरे विश्व में ऐसे परिवार कहीं और नहीं मिलते। बर्फानी धाम के पीछे स्थित गणेश नगर में माता केशरबाई रघुवंशी धर्मशाला परिसर के शिव-हनुमान मंदिर की साक्षी में चल रही रामकथा में शनिवार को प्रख्यात मानस मर्मज्ञ पं. मनोज भार्गव ने राम सीता विवाह प्रसंग की व्याख्या के दौरान उक्त दिव्य विचार व्यक्त किए। कथा के दौरान प्रभु श्रीराम जानकी विवाह का उत्सव भी धूमधाम से मनाया गया।

लव जिहाद का अड्डा बजरंगियों ने दी उग्र आंदोलन चेतावनी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल को मिली सूचना के आधार पर बड़ी ग्वालटोली क्षेत्र में रविवार को हड़कंप मच गया। संगठन के पदाधिकारियों का आरोप है कि एक युवती के साथ जम्मू-कश्मीर से आए एक युवक द्वारा दुर्व्यवहार किया जा रहा था। विहिप के प्रचार प्रसार प्रमुख देवा शर्मा ने बताया कि सूचना मिलने के बाद जिला संयोजक लक्की रघुवंशी ने तुरंत पलासिया थाना प्रभारी से संपर्क किया। थाना प्रभारी ने गंभीरता दिखाते हुए पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। मौके पर मौजूद युवक की पहचान इम्तियाज अहमद मलिक के रूप में बताई गई है, जो जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले के बनेहाल का निवासी बताया जा रहा है। संगठन का कहना है कि पूछताछ के दौरान युवक ने युवती को अपनी पत्नी बताया, जबकि बजरंग दल के अनुसार इम्तियाज की जम्मू-कश्मीर में पहले से दो पत्नियां और चार बच्चे हैं। बजरंग दल कार्यकर्ताओं का यह भी आरोप है कि युवक ने यह कहते हुए दबाव बनाने की कोशिश की।

इंदौर विभाग संयोजक ने कहा कि यदि किसी भी हिंदू युवती के साथ गलत व्यवहार की शिकायत सामने आई थी तो बजरंग दल उग्र शैली में जवाब देगा। घटना की जानकारी मिलने पर बजरंग दल और पुलिस की संयुक्त मौजूदगी में स्थिति को नियंत्रित किया गया। पुलिस ने संबंधित पक्षों से पूछताछ कर तथ्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जांच के बाद किए जाने की बात कही जा रही है। इस दौरान जिला सहसंयोजक विवेक शर्मा, जिला अध्यक्ष कृष्णा कुमार वर्मा, धीरेंद्र सक्सेना, पीयूष वर्मा, राहुल वर्मा, नीरज रावत सहित अन्य कार्यकर्ता मौके पर मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और जांच के निष्कर्षों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

देवी अहिल्या साई सोशल भक्त समिति द्वारा चार दिवसीय धार्मिक यात्रा साई बाबा के जयकारे के साथ शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● देवी अहिल्या साई सोशल भक्त समिति द्वारा चार दिवसीय धार्मिक यात्रा शनिवार को खातीपुरा स्थित साई मंदिर से शुरू हुई। यात्रा इन्दौर से शिर्डी एवं सप्तश्रृंगी माताजी नासिक के लिए रवाना हुई ,सैकड़ो भक्त सम्मिलित हुए। समिति के अध्यक्ष भोला सिंह ठाकुर ने बताया कि समिति द्वारा चार दिवसीय धार्मिक यात्रा इंदौर से शिर्डी एवम सप्तश्रृंगी माताजी नासिक तक आयोजित की गई यात्रा पैदल और बस द्वारा की जा रही है। इस यात्रा में मुक बधिर,विकलांग, वृद्धजन को समिती द्वारा यात्रा कराई जा रही है। शनिवार सुबह ढोल नगाड़ों के बीच यात्रा की शुरुआत साई बाबा के पूजन अर्चन के साथ हुई, भक्त नाचते गाते साई बाबा के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे।

विशाल जैन पुलक महाकुंभ मेला लगा,बच्चों में संस्कार शिक्षा, ज्ञान, को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हुई कई आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पुलक मंच परिवार एवं महिला जाग्रति मंच के संयोजन में विशाल जैन महाकुंभ मेला लगाया गया। मेला प्रमुख संयोजिका अनामिका बाकलीवाल ने बताया कि समाज की महिलाओ के गृह उद्योग को बढ़ावा देने एवं बच्चों में संस्कार,शिक्षा,ज्ञान, को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चित्रकला,फैंसी ड्रेस,जैसी अनेको प्रतियोगिता आयोजित की गई। मीना झांझरी एवं आशा सोनी ने बताया कि यह मेला समाज को एक नई दिशा प्रदान कर रहा था,जहाँ पर चाट चौपाटी की अनेको छोटी बड़ी दुकानें,ज्वेलरी,रेडीमेड कपड़े की शॉप, अपनी अलग ही छटा बिखेर

रही थी। सुबह से लेकर शाम तक लगभग दस हजार से अधिक समाजजनों ने शिरकत की।पुलक महिला जाग्रति मंच का यह प्रथम प्रयास था। जैन मेला सुबह 10 बजे से प्रारम्भ होकर रात्रि 10 बजे तक चला। जिसमें अनेकोपुरस्कार भी प्रदान किये गए। प्रतिभा जैन,एवं मंजू पहाड़िया ने बताया कि समाज की अनेक समाज सेवियों का सम्मान किया गया जिनमे प्रमुख रूप से समाज को एकजुट करने के विशेष प्रयास करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विनय बाकलीवाल, वरिष्ट समाजसेवी संदीप जैन मोयरा एवं सचिन जैन उद्योगपति का भव्य सम्मान किया गया। इस महाआयोजन में हेमचंद, मीना झांझरी,चिंतन बाकिवाला, तल्लीन बड़जात्या, होलास सोनी,इंदर सेठी,अनिल जैन जेनको, जेनेश झांझरी, पिंकेश टोंग्या, निर्मला पाटनी अनिता दोसी खुशबू पहाड़िया मधु जैन सहित अनेको समाजजन उपस्थित रहे।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 05 जनवरी 2026

2 करोड़ का राष्ट्रपति अवॉर्ड...409 करोड़ का खर्च
खंडवा में नंबर बढ़ाने पंचायतों को शर्तों पर टारगेट

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ●जिला प्रशासन ने अभियान के तहत कुल एक लाख 29 हजार 41 जल संरचनाओं का विकास किए जाने का दावा किया। इन जल संरचनाओं पर करीब 409 करोड़ रुपए का खर्च किया जाना सरकार को बताया, लेकिन इन्हीं दावों पर सवाल उठ गए। पंचायत को शर्तों के साथ टारगेट दिए गए। कई कामों की जिम्मेदारी उन इंजीनियरों को दे दिए गए, जिनके दामन पर कहीं न कहीं दाग लगे, यानी किसी न किसी काम में गबन के उन पर आरोप लगे। इस मामले में उन अधिकारियों की पड़ताल की, जो इस अभियान में अहम जिम्मेदारी निभा रहे थे, हालांकि इन पर गबन के आरोप भी कभी न कभी लगे, नाम नहीं छापने की शर्त पर एक अधिकारी ने बताया कि, कलेक्टर ऋषव गुप्ता और सीईओ जिला पंचायत डॉ. नागार्जुन बी गौड़ा ने अवॉर्ड लाने के लिए टारगेट बेस्ड काम किया। उन्होंने जिन्हें काम की मॉनीटरिंग की जिम्मेदारी सौंपी, उनमें से कई अधिकारी और इंजीनियर्स पर पहले भी गबन के आरोप लगे हैं।

इन अधिकारियों के प्रमोशन, नियुक्ति ने सिस्टम पर उठाए सवाल

डीके कैथवास, ईई-आरईएस : लंबे समय से खंडवा जिले में ही पदस्थ। सहायक यंत्री से कार्यपालन यंत्री के पद पर प्रमोशन और पोस्टिंग भी खंडवा में ही। पुनासा जनपद में सहायक यंत्री रहते हुए घाट घोटाले में नाम सामने आया। जहां पानी नहीं था, वहां घाट निर्माण को स्वीकृति दे दी। घोटाला सामने आया तो खुद ने जांच की और खुद पर ही भ्रष्टाचार के आरोप तय भी कर दिए।

पंकज कुमार डाले, जनपद सीईओ : छैगांवमाखन जनपद पंचायत के सीईओ हैं। पूर्व में मनरेगा के जिला प्रभारी रह चुके हैं। संविदाकर्मी होने के बाद भी सीईओ जिला पंचायत डॉ. नागार्जुन बी गौड़ा ने सीईओ का चार्ज दिया। विवाद गहराया तो सफाई दी कि सिर्फ प्रशासकीय चार्ज दिया गया है। वित्तीय प्रभार अन्य अधिकारी के पास रहेंगे।

गौरव रघुवंशी, सहायक यंत्री : जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी वानखेड़े का आरोप है कि उपयंत्री गौरव रघुवंशी को नियमों के खिलाफ जाकर प्रमोशन दिया गया। रघुवंशी की सेवा अवधि महज 7 साल की है, बावजूद उन्हें सहायक यंत्री के पद प्रमोट करके खंडवा जनपद पंचायत का तकनीकी मुखिया बना दिया गया।

निकिता मंडलोई, संयुक्त कलेक्टर : राज्य प्रशासनिक सेवा में संयुक्त कलेक्टर हैं। दूसरी बार खंडवा जनपद पंचायत के सीईओ का चार्ज मिला है। जिला पंचायत में एडिशनल सीईओ का पद भी है। वहीं, निकिता मंडलोई ही जल संचयन अभियान की जिला नोडल अधिकारी थीं।

समझिए नंबर बढ़ाने के टारगेट को...

पंचायतों से जुड़े सूत्रों की माने तो जल संरक्षण के कामों को लेकर प्रत्येक ग्राम पंचायत का टारगेट सेट किया गया था। टारगेट ऐसा कि पहले काम स्वीकृत कराओ, उसे पोर्टल पर दर्शाओ, थोड़ी-बहुत राशि निकालो और फिर उस काम को क्लोज कर दो। यानी ज्यादा पैसा खर्च मत करो और काम अधूरा छोड़ दो। बस पोर्टल पर उसे प्रगतिरत बता दो, ताकि वह गिनती में आ जाए। इस टारगेट को ऐसे समझ सकते हैं कि, एक ग्राम पंचायत ने चार खेत तालाब के काम स्वीकृत करा लिए, जिनकी लागत 6-6 लाख रुपए थी, उन्हें स्टार्ट किया और महज एक-दो मस्टरोल (करीब 10% राशि) निकाले और काम में तकनीकी खामी बताकर उसे क्लोज कर दिया।

भोपाल की ताल के चौपाल से

साहब की ससुराल का एमपी प्रेम, कप्तान साहब का गुस्सा और क्रेडिट कार्ड मॉडल

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

मध्यप्रदेश में इन दिनों सियासी हलचल और अफसरशाही की गर्मी का दौर जारी है। इंदौर कांड ने प्रदेश की साख पर बड़ा दाग लगाया है और नेताओं-अफसरों का 'घंटा' बज चुका है। मध्यप्रदेश में कश्मीर सी सर्दी है। शीतलहर से पूरा सूबा कंपकंपा रहा है, लेकिन सत्ता, सियासी और अफसरशाही में गर्माहट है। इंदौर कांड ने पूरे प्रदेश की साख पर बट्टा लगा दिया है। नेता-अफसरों का 'घंटा' बज गया है। डैमेज कंट्रोल के हथकंडे भी काम नहीं आ रहे हैं। इन सबके बीच खबर है कि एक आईपीएस अफसर के ससुरालीजनों को मध्यप्रदेश खूब भा गया है। उन्होंने बड़े पैमाने पर जमीन का सौदा किया है। कुछ अधिकारियों के बच्चों के विदेश में मौज कराने का नया मॉडल भी सामने आया है। वहीं, एसआईआर ने सत्तारूढ़ दल की टेंशन डबल कर दी है।

साहब की ससुराल का रियल एस्टेट प्रेम

डॉक्टर साहब के भाषणों से कितने उद्योगपति निवेश के लिए आए, इसका आंकड़ा भले किसी के पास साफ न हो, लेकिन अफसरों के नातेदार कितने प्रभावित हुए हैं। इसका नमूना जरूर सामने आ गया है। मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय में ऊंचे ओहदे पर बैठे एक आईपीएस साहब की ससुराल इन दिनों चर्चा में है। वजह कोई छोटी-मोटी नहीं, बल्कि करोड़ों रुपए की जमीन की खरीद की है। साहब की सासू मां, साली साहिबा और साले साहब ने मिलकर मध्यप्रदेश में जमीनों पर हाथ साफ किया है। खास बात ये है कि साली साहिबा खुद दूसरे राज्य में आईएएस हैं। अब सवाल उठता है कि जब साहब खुद एमपी के मूल निवासी नहीं है, ससुराल का भी मध्यप्रदेश से नाता नहीं तो फिर एमपी में करीब 200 बीघा जमीन खरीदने का इतना शौक अचानक कहां से उमड़ पड़ा? चर्चा है कि इस सौदे में एमपी पुलिस सेवा के एक रंगीले अफसर भी साझेदार बने हैं। कहा जा रहा है कि ये अफसर आईपीएस के बेहद करीबी हैं, इसलिए धीरे-धीरे ससुराल के भी करीबी हो गए हैं।

विदेश में मौज कराने का 'नया मॉडल'

प्रदेश के अफसरों के बच्चे विदेश में पढ़ रहे हैं। यह अब कोई खबर नहीं रही। खबर ये है कि उनकी मौज-मस्ती कैसे चल रही है और उसका बिल कौन चुका रहा है? सूत्रों की मानें तो सिस्टम के कुछ तेजतर्रार अफसरों ने बच्चों को विदेश में लक्जरी फील देने के लिए नया तरीका खोज निकाला है। तरीका बड़ा सिंपल और उतना ही चतुर है। अफसर यहां मलाईदार पदों पर बैठकर बड़े ठेकेदारों पर मेहरबानी दिखाते हैं। बदले में ठेकेदार अपने क्रेडिट कार्ड अफसरों के बच्चों के हाथ में थमा देते हैं। अब समझिए कमाल। बच्चे विदेश में गोल्फ खेल रहे हैं, महंगे रेस्तरां में डिनर कर रहे हैं। ब्रांडेड शॉपिंग और ट्रैवल में करोड़ों उड़ रहे हैं और अफसर साहब को एक रुपए का हिसाब नहीं देना पड़ता। खर्च बच्चे कर रहे हैं, भुगतान कार्ड कर रहा है और जवाबदेही हवा में घुल जाती है। बताया जा रहा है कि यह अब कोई एक-दो केस नहीं रहा। यह ट्रेंड बनता जा रहा है। हर स्मार्ट अफसर एक-दो ठेकेदार ऐसे सेट कर रहा है, जो विदेश में बच्चों की मौज का पूरा खर्च अफोर्ड कर ले। आप खुद पता लगाइए, कौन से मलाईदार पदों पर बैठे अफसरों के बच्चे विदेश में पढ़ाई के साथ गोल्फ, पार्टी और लक्जरी लाइफ का पूरा पैकेज एन्जॉय कर रहे हैं?

नेता-अफसरों का 'घंटा' बज गया

कहते हैं, भगीरथ धरती पर गंगा लाए थे, लेकिन इंदौर के भागीरथपुरा में कहानी उलटी निकल गई। यहां गंगा तो आई नहीं, राम तेरी गंगा मैली वाली तस्वीर जरूर सामने आ गई। नतीजा यह हुआ कि 16 लोगों की जान चली गई और पूरा सिस्टम कटघरे में खड़ा हो गया। घटना बड़ी थी, इसलिए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय मैदान में उतरे। पीड़ितों के साथ खड़े होने की कोशिश की, अफसरों पर गुस्सा भी फूटा, लेकिन असली धमाका तब हुआ, जब झल्लाहट में घंटा वाला बयान मीडिया के माइक्रोफोन में चला गया। बस, यहीं से कहानी ने नया मोड़ ले लिया है। कहते हैं, उस घंटे की आवाज इतनी तेज थी कि दिल्ली हाईकमान की नींद टूट गई। फिर क्या था, इंदौर से भोपाल तक, छोटे से लेकर बड़े तक, नेता हों या अफसर सबका घंटा बज गया। अफसर निपटाए गए, नेताओं की क्लास अलग से लगी। जो कल तक सीना तानकर चल रहे थे, आज मुंह छिपाते फिर रहे हैं। फिलहाल सवाल यही है कि इस घंटे की घनघनाहट इंदौर की राजनीति में आगे क्या-क्या तोड़ेगी या फिर कुछ दिनों बाद यह आवाज भी बाकी शोर में दबा दी जाएगी?

कप्तान साहब नाराज, महकमे में हड़कंप

बुंदेलखंड के एक जिले में इन दिनों पुलिस महकमे का तापमान अचानक बढ़ गया है। वजह हैं वहां के पॉवरफुल कप्तान साहब, जिनका मूड अपने मातहतों की एक छोटी सी चूक से बिगड़ गया है। खबर है कि साहब इस कदर नाराज हुए कि उन्होंने एक झटके में 26 अधिकारी-कर्मचारियों को नोटिस थमा दिया। आरोप भी बड़ा दिलचस्प है। दरअसल, इन कर्मचारियों ने पत्राचार में अस्थायी एसपी के नाम के आगे प्रभारी शब्द नहीं लिखा था। बस, यही बात कप्तान साहब को नागवार गुजर गई। दरअसल, कहानी ये है कि कप्तान साहब 25 दिन की ट्रेनिंग पर थे। इस बीच एक बटालियन के साहब को जिले का अतिरिक्त एसपी प्रभार सौंपा गया, लेकिन कर्मचारियों ने फाइलों और चिट्ठियों में उन्हें सिर्फ साहब लिखा, प्रभारी नहीं। कागजों की यही कमी कप्तान साहब को इतनी बड़ी लगी कि गुस्सा फाइलों से निकलकर नोटिस तक पहुंच गया। अब आलम ये है कि 26 लोग तीन दिन में जवाब तैयार करने में जुटे हैं। कप्तान साहब ने साफ कर दिया है कि जवाब संतोषजनक नहीं हुआ तो एकतरफा कार्रवाई तय है।

सियासी मैसेज और करारा जवाब

राजा साहब की एक पोस्ट ने ऐसा बवाल खड़ा किया कि अपनों से लेकर विरोधियों तक सब सवाल पूछने लगे हैं। मोदी और आडवाणी की पुरानी तस्वीर शेयर कर संघ और भाजपा संगठन की तारीफ करने पर राजा साहब की निष्ठा पर ही सवाल उठ गए हैं। पार्टी के भीतर फुसफुसाहट शुरू हो गई है और भाजपा ने मौका देखकर खुला ऑफर तक उछाल दिया है। अब इस मामले में छोटे राजा साहब की भी एंट्री हुई है। उन्होंने सीधे बहस में कूदने के बजाय डैमेज कंट्रोल का सिनेमाई तरीका चुना है। उन्होंने सोशल मीडिया पर राजा साहब का वीडियो शेयर करते हुए इस पर दमदार वाइस ओवर लगाया है। डायलॉग है कि बौखला गए हैं, खलबली मच गई है। बेबुनियाद आरोप, मनगढ़ंत स्कैंडल, लेकिन आसमान में थूकने वालों को ये नहीं पता कि थूक पलटकर उन्हीं के चेहरे पर गिरता है। सियासी गलियारों में चर्चा है कि यह वीडियो विरोधियों से ज्यादा अपने घर के भीतर उठे सवालों को भी जवाब है। मैसेज साफ है कि राजा साहब अकेले नहीं हैं, परिवार पूरी तरह मैदान में है।

एसआईआर ने डबल की टेंशन

हर मामले में नंबर वन रहने वाला मध्यप्रदेश इस बार पिछड़ गया है और वजह है एसआईआर। पहले चरण में जैसे ही प्रदेश में 42 लाख वोटर्स के नाम कटे तो सत्तारूढ़ दल की टेंशन डबल हो गई है। मामला इतना गंभीर है कि भोपाल से ज्यादा दिल्ली की नजरें टिक गईं हैं। बताया जा रहा है कि शीर्ष नेताओं की व्यस्तताओं के चलते आमने-सामने की बैठक तो नहीं हो सकी, लेकिन ऑनलाइन मीटिंग कर इस पर मंथन किया गया है। स्क्रीन पर प्रदेश के लगभग सभी बड़े चेहरे मौजूद थे। मीटिंग में साफ-साफ कहा गया कि पहले चरण में नुकसान हो चुका है, अब दूसरे फेज में कोई ढिलाई नहीं चलेगी। पार्टी वर्कर्स को अलर्ट कर दिया गया है कि 10 जनवरी तक मैदान में उतरिए, लोगों को जागरूक करें, फॉर्म भरवाएं और ज्यादा से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट में वापस जुड़वाएं। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या दूसरे फेज में सत्तारूढ़ दल बाजी पलट पाता है या फिर एसआईआर का यह झटका आगे की राजनीति में और बड़े साइड इफेक्ट दिखाएगा?

बिहार के उद्योग मंत्री का भोजपुरिया समाज द्वारा स्वागत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●बिहार सरकार के उद्योग मंत्री दिलीप कुमार जयसवाल का सभी भोजपुरिया समाज के पदाधिकारी द्वारा स्वागत किया गया इंदौर बिहार सरकार के उद्योग मंत्री दिलीप कुमार जयसवाल जी का आज रेसीडेंसी कोठी पर सभी भोजपुरिया समाज के पदाधिकारी द्वारा समाज का दुपट्टा वह फूल माला पहना कर स्वागत किया गया इस अवसर पर मुख्य रूप से भोजपुरिया समाज के अध्यक्ष बटेश्वर नाथ सिंह हरेंद्र सिंह हेमचंद्र पोद्दार महेंद्र जैन शैलेश सिंह केशव सिंह विनोद सिंह बेस मनोज शर्मा नंदलाल सिंह राकेश सिंह गुड्डू सिंह आदि समाज के पदाधिकारी उपस्थित थे।

फोटो पत्रकारिता को नई दिशा देने वाले प्रेस फोटोग्राफर सम्मानित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री गीता रामेश्वर ट्रस्ट द्वारा विद्यासागर स्कूल परिसर में एक गरिमामय समारोह में वर्षों से प्रेस फोटोग्राफी के माध्यम से समाज, प्रशासन और जनजीवन को सहेजने वाले वरिष्ठ प्रेस फोटोग्राफरों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट द्वारा सम्मानित फोटोग्राफरों को स्मृति चिह्न (मेमोंटो) दिए गए। कार्यक्रम में ट्रस्ट के सत्यनारायण पटेल ने सभी सम्मानित फोटोग्राफरों का अभिनंदन करते हुए कहा कि 'जो लोग वर्षों से एक ही संस्थान में निष्ठा, और समर्पण के साथ प्रेस फोटोग्राफी कर रहे हैं, उनका सम्मान करना मेरे लिए गर्व और सौभाग्य की बात है। आज का यह दिन मेरे जीवन के यादगार दिनों में से एक है।' फोटो पत्रकारिता बहुत ही मुश्किल है और जिन्हें आज सम्मानित किया गया है, उन्होंने इस विधा को नई ऊंचाई प्रदान की है। उनकी सहधर्मिणी का उनकी सफलता में योगदान भी कम नहीं है।

समारोह में प्रेस फोटो पत्रकारिता और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अरुण यादव,सौरभ पंवार,बालकृष्ण मुले को भी सम्मानित किया गया। नई दिशा और पहचान दिलाने वाले वरिष्ठ प्रेस फोटोग्राफर कैलाश मित्तल को लाइफ टाइम अचीवमेंट प्रदान किया गया। उनके साथ ही अभय तिवारी, राजू पवार, शरीफ कप्तान, पवन भवर एवं प्रवीण बरनाले, राजू रायकवार,पिंटू नामदेव, मनीष व्यास, शंकर मौर्य को भी फोटो पत्रकारिता में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उनके साथ ही उनकी पत्नियों को भी सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि प्रेस फोटोग्राफर केवल तस्वीरें नहीं लेते, बल्कि समय, सच और समाज की धड़कनों को अपने कैमरे में कैद कर इतिहास रचते हैं। यह सम्मान उन अनदेखे संघर्षों और अथक मेहनत को समर्पित है, जो अक्सर पर्दे के पीछे रह जाते हैं। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ और उपस्थित जनों ने इस पहल को प्रेरणादायक बताते हुए ट्रस्ट का आभार व्यक्त किया। संचालन मदन परमालिया द्वारा किया गया आभार विनोद सत्यनारायण पटेल ने माना। स्वागत चेतन सिंह चौधरी ने किया।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

रेलवे स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज के गर्डर डी-लॉन्चिंग कार्य के कारण सड़क यातायात प्रभावित

उज्जैन ●दैनिक इंदौर संकेत

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के उज्जैन स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज संख्या 6 जो फ्रीगंज रोड ओवर ब्रिज के समानांतर है, का गार्डर डी - लॉन्चिंग का कार्य प्रस्तावित है जिसके कारण एक दिन सड़क यातायात प्रभावित होगा। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, फ्रीगंज रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) के समानांतर पैदल ऊपरी पुल (एफओबी) संख्या 6 के गर्डर डी-लॉन्चिंग का कार्य 5 जनवरी, 2026 को किया जाएगा। इसके कारण 05 जनवरी को फ्रीगंज आरओबी और माधवनगर साइड का सर्विस लेन पर यातायात पूरी तरह से बंद रहेगा। इस दौरान सड़क उपयोगकर्ता असुविधा से बचने के लिए अन्य उपलब्ध वैकल्पिक मार्गों का उपयोग कर सकते हैं।

शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा गंदे पानी को लेकर चलाया जन जागरण अभियान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री चिंटू चौकसे जी के मार्गदर्शन में शहर कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा गंदे पानी को लेकर विधानसभा चार के सभी ब्लाकों में जन जागरण अभियान में पहुंचे। इस दौरान सभी ब्लांक अध्यक्षों ने किया जगह जगह समस्याएं देखी नुक्कड़ सभाएं आयोजित की गई उक्त कार्यक्रम शहर कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्षों श्री गिरीश जोशी ब्लॉक अध्यक्ष सुनील पाल ब्लांक अध्यक्ष रविकांत मिश्रा के नेतृत्व में कार्यक्रम जन जागरण अभियान चला गया इस दौरान आम जनता की समस्या भी सुनी गई और इनका निराकरण भी किया जाएगा साथ ही जन जागरण अभियान के दौरान घर-घर पहुंचकर पानी उबलकर पीने की सलाह भी दी गई इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस जन मौजूद थे।

सम्पादकीय

जवाबदेही के बजाए दिया जा रहा मुआवजा, मंत्री और सरकार का रवैया अफसोसजनक

इंदौर में पेयजल दूषित होने की वजह से कई लोगों की मौत के बाद राहत के तौर पर सरकार की ओर से मुआवजे की घोषणा की गई, लेकिन सवाल है कि क्या कुछ रस्मी औपचारिकताएं पूरी करना इस समस्या का हल हो सकता है! सबसे जरूरी था कि इस घटना के बाद निचले स्तर के संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के समांतर शीर्ष स्तर पर बरती गई लापरवाही के लिए भी जिम्मेदारी तय की जाती। मगर ऐसा लगता है कि इसे किसी सामान्य हादसे की शक्ल में देखा जा रहा है। वरना क्या कारण है कि इतने गंभीर मामले के बाद भी सरकार के रवैये में एक अफसोसनाक उदासीनता दिख रही है। इसकी जिम्मेदारी लेने के बजाय वहां के एक मंत्री सवालों को जिस तरह बेमानी बता रहे थे, उसमें एक विचित्र उपेक्षाभाव था। अव्वल तो पेयजल जैसी सबसे बुनियादी जरूरत के पूरी तरह सुरक्षित होने को लेकर सरकार अपनी ओर से सजग रहती, लेकिन इसके बजाय मध्य प्रदेश हाई कोर्ट को यह आदेश देना पड़ा है कि प्रभावित इलाके में पीने के पानी के अतिरिक्त टैंकर भेजे जाएं। इस घटना से फिर यही जाहिर हुआ है कि महज हादसा या चूक मानी जाने वाली कई घटनाएं अक्सर अधिकारियों की अदूरदर्शिता, लंबे समय से बरती जाने वाली लापरवाही और कई बार जानबूझ कर की गई उपेक्षा का नतीजा होती हैं। इंदौर के जिस इलाके में पेयजल दूषित होने की घटना सामने आई, क्या ऐसा अचानक हो गया होगा? अगर फिलहाल आई खबरों पर ही भरोसा किया जाए कि पानी की आपूर्ति वाले पाइप में गंदे नाले का पानी मिल गया, तो इस पर निगरानी रखना किसकी जिम्मेदारी है? एक बार पेयजल की पाइप बिछा देने के बाद उसमें पानी आ रहा है या नहीं या फिर वह पीने के लिहाज से पूरी तरह सुरक्षित है, इसकी नियमित जांच करने, गड़बड़ियों की निगरानी करने का दायित्व किस पर है? अगर संबंधित महकमे में निचले स्तर पर तैनात कर्मचारी लापरवाही बरत रहे थे, तो इसका ध्यान रखना किसका काम था? इस गंभीर घटना के बाद सवाल उठने और कठघरे में खड़ा किए जाने के बाद जहां सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेकर सख्त संदेश देने वाली कार्रवाई करनी चाहिए थी, वहां उसके मंत्री संवेदनहीन, अवांछित और गैरजिम्मेदाराना टिप्पणी कर रहे थे।

नया युद्ध बिना घोषणा : वेनेजुएला और बदलती विश्व व्यवस्था

3 जनवरी की सुबह इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गई। वॉशिंगटन से आई एक घोषणा ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति को झकझोर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बताया कि अमेरिकी सेनाओं ने व्यापक सैन्य कार्रवाई में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में ले लिया है। और उन्हें न्यूयॉर्क ले जाया जा रहा है जहाँ नार्को–टेररिज्म के आरोपों पर ट्रायल होगा। ट्रम्प ने साथ ही यह स्पष्ट किया कि वेनेजुएला का शासन और संक्रमण प्रक्रिया अब अमेरिका के 'नियंत्रण' में होगी। यह कदम मात्र सैन्य हस्तक्षेप नहीं, बल्कि ऐसा भू–राजनीतिक विस्फोट है जो तेल कीमतों को हिला सकता है और वैश्विक संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करेगा। दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार वाले देश में अमेरिकी प्रभाव की यह सीधी स्थापना रूस, चीन और ईरान के लिए खुला संकेत है। यह संकट केवल ऊर्जा बाजारों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की नींव को भी चुनौती देगा, जहाँ पेट्रोडॉलर की शक्ति और ब्रिक्स की आकांक्षाएँ आमने–सामने खड़ी हैं।

वेनेजुएला का संकट अचानक नहीं, बल्कि वर्षों की विफल नीतियों का परिणाम है। इसकी नींव ह्यूगो शावेज के दौर में पड़ी, जब तेल आधारित समाजवादी मॉडल को समृद्धि का आधार बनाया गया। समय के साथ भ्रष्टाचार, प्रशासनिक अक्षमता और आर्थिक कुप्रबंधन ने इस व्यवस्था को खोखला कर दिया। 2014 में वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट ने संकट को उजागर किया और देश अतिमुद्रास्फीति, खाद्य कमी व स्वास्थ्य आपदा में डूब गया। परिणामस्वरूप लाखों नागरिकों को पलायन करना पड़ा। सत्ता बचाने के लिए निकोलस मादुरो ने रूस, चीन और क्यूबा का सहारा लिया तथा अमेरिकी प्रतिबंधों को चुनौती दी। इसके जवाब में ट्रम्प प्रशासन ने दबाव बढ़ाया। सितंबर 2025 से कैरिबियन क्षेत्र में तस्करी से जुड़े जहाजों पर हमलों ने तनाव तेज कर दिया। अंततः डेल्टा फोर्स और सीआईए के संयुक्त अभियान में मादुरो गिरफ्तार हुए। ट्रम्प ने इसे 'नार्को–आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई' बताते हुए वेनेजुएला को 'सुरक्षित संक्रमण' तक ले जाने की बात कही। लेकिन आलोचकों के अनुसार वास्तविक लक्ष्य विशाल तेल भंडारों पर नियंत्रण है, जो लैटिन अमेरिका में अमेरिकी प्रभुत्व की वापसी और क्षेत्रीय अस्थिरता का संकेत देता है।

इस संकट का सबसे तात्कालिक प्रभाव वैश्विक तेल बाजार पर पड़ा है। वेनेजुएला फिलहाल वैश्विक आपूर्ति का लगभग एक प्रतिशत, यानी करीब दस लाख बैरल प्रतिदिन तेल उत्पादन करता है, लेकिन उसके भंडार दुनिया में

दुनिया का नया तख्ता: तेल, सत्ता और रणनीति

वेनेजुएला प्रकरण: महाशक्तियों की नस पर चढ़ता तेल

सबसे बड़े हैं। हमले के बाद ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें साठ से इकसठ डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहीं, पर भू–राजनीतिक जोखिम के कारण पाँच से दस डॉलर की बढ़ोतरी की आशंका है। यदि उत्पादन या निर्यात बाधित हुआ—जैसे बंदरगाहों की नाकेबंदी या बीमा अड़चनें—तो भारी कच्चे तेल की कमी से डीजल और परिष्कृत ईंधन महंगे हो सकते हैं। अभी बाजार में आपूर्ति की अधिकता है; अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार लगभग अड़तीस लाख बैरल प्रतिदिन का सरप्लस मौजूद है, इसलिए तत्काल असर सीमित रहा। लेकिन संघर्ष लंबा चला तो तेल अस्सी से सौ डॉलर प्रति बैरल तक जा सकता है, जिससे वैश्विक मुद्रास्फीति तेज होगी। विशेषज्ञ इसे अल्पकालिक झटका और दीर्घकालिक संतुलन परिवर्तन मानते हैं।

दीर्घकाल में यह संकट तेल कीमतों पर दबाव भी बना सकता है। यदि अमेरिकी प्रतिबंध हटते हैं और शेवरॉन जैसी कंपनियां निवेश करती हैं, तो वेनेजुएला का उत्पादन दो से तीन मिलियन बैरल प्रतिदिन तक पहुँच सकता है। इससे भारी कच्चे तेल की अधिकता होगी और कीमतें पचास से साठ डॉलर के दायरे में सिमट सकती हैं। ट्रम्प का कहना है कि अमेरिकी कंपनियां वेनेजुएला के तेल उद्योग को अत्यधिक लाभकारी बनाएंगी, जिससे पेट्रोडॉलर की पकड़ मजबूत होगी। लेकिन यदि गुरिल्ला प्रतिरोध, आंतरिक विद्रोह या रूस–चीन का प्रत्यक्ष हस्तक्षेप हुआ, तो उत्पादन में दस लाख बैरल की गिरावट कीमतों को तीस से चालीस डॉलर तक उछाल सकती है। इससे रूस और ईरान जैसी तेल–निर्भर अर्थव्यवस्थाओं को गहरा झटका लगेगा। साथ ही यह ब्रिक्स की डी–डॉलराइजेशन रणनीति को कमजोर कर सकता है, जबकि क्षेत्रीय अस्थिरता शिपिंग लागत बढ़ाकर नई चुनौतियाँ खड़ी करेगी।

वेनेजुएला संकट ने वैश्विक कूटनीति में तनाव की नई सीमाएँ खींच दी हैं। रूस और चीन इसे प्रत्यक्ष अमेरिकी हस्तक्षेप मानते हैं। रूस पहले ही सैन्य सहायता दे चुका है, जबकि चीन वेनेजुएला के लगभग अस्सी प्रतिशत तेल निर्यात का आयात करता है। यदि अमेरिका पूर्ण नियंत्रण स्थापित करता है, तो रूस की यूक्रेन युद्ध फंडिंग पर सीधा प्रभाव पड़ेगा, वहीं ईरान को भी भारी कच्चे तेल के बाजार में नुकसान झेलना पड़ेगा। कुछ विश्लेषक इसे 'रिवर्स क्यूबन मिसाइल क्राइसिस' बता रहे हैं, जहाँ रूस या चीन लैटिन अमेरिका में सैन्य ठिकाने बनाने का प्रयास कर सकते हैं। क्षेत्रीय स्तर पर कोलंबिया, ब्राजील और निकारागुआ जैसे देशों में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ने की आशंका है। यह कदम संयुक्त राष्ट्र चार्टर की भावना के विरुद्ध माना जा रहा है, जिससे वैश्विक कूटनीति कमजोर हो सकती है। इसके बावजूद ट्रम्प प्रशासन इसे 'नार्को–टेररिज्म विरोधी कार्रवाई' बताकर वैध ठहराने का प्रयास कर रहा है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव गहरा और बहुपक्षीय होगा। तेल कीमतों में उछाल से मुद्रास्फीति बढ़ेगी, जिसका सीधा असर भारत और चीन जैसे आयात–निर्भर देशों पर पड़ेगा। भारी कच्चे तेल के बड़े आयातक भारत को विशेष लागत दबाव झेलना पड़ सकता है। इसके विपरीत, कीमतों में गिरावट अमेरिकी उपभोक्ताओं को राहत दे सकती है और शेयर बाजारों में जोखिम लेने की प्रवृत्ति बढ़ा सकती है। सुरक्षा दृष्टि से अमेरिका पश्चिमी गोलार्ध में अपनी पकड़ मजबूत करेगा, लेकिन लैटिन अमेरिका में विरोध और असंतोष भी तेज होगा। कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि इससे पेट्रोडॉलर को अस्थायी संबल मिलेगा, जबकि ब्रिक्स देश वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों की ओर और तेजी से बढ़ेंगे। यदि संघर्ष पनामा नहर तक पहुँचा, तो वैश्विक व्यापार को गहरा झटका लगेगा।

आगे यह संकट कई राहें अपना सकता है। यदि अमेरिका संक्रमण प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से संभाल लेता है, तो तेल उत्पादन बढ़ेगा, कीमतें संतुलित रहेंगी और रूस–चीन की रणनीतिक स्थिति कमजोर पड़ेगी। किंतु यदि व्यापक प्रतिरोध उभरा, तो यह इराक या अफगानिस्तान जैसा लंबा और महंगा फंदा बन सकता है। गुरिल्ला संघर्ष, आंतरिक विरोध और अंतरराष्ट्रीय दबाव अमेरिकी संसाधनों पर भारी बोझ डालेंगे। कम संभावना लेकिन उच्च प्रभाव वाले परिदृश्य—जैसे लैटिन अमेरिका में रूसी सैन्य अड्डा—दुनिया को नए शीत युद्ध के द्वार पर ला सकते हैं। ऐसे में भारत जैसे देशों को सतर्क नीति अपनानी होगी, क्योंकि ऊर्जा सुरक्षा आने वाले समय की सबसे बड़ी चुनौती बनने जा रही है।

वेनेजुएला का संकट किसी एक राष्ट्र की कहानी नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन को झकझोरने वाला तूफान है। तेल बाजारों में यह अस्थिरता के साथ दीर्घकालिक पुनर्संरचना लाएगा, जबकि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अमेरिका, रूस और चीन के बीच टकराव और तीखा होगा। यह संकट पेट्रोडॉलर को बल दे सकता है, पर डी–डॉलराइजेशन की प्रक्रिया को भी तेज करेगा। इतिहास संभवतः इसे 'ट्रम्प कोरोलरी' के रूप में याद रखे—अमेरिकी प्रभुत्व की निर्णायक वापसी। प्रश्न यही है कि क्या यह स्थिरता लाएगा या नए वैश्विक संघर्ष की नींव रखेगा। उत्तर भविष्य में छिपा है, लेकिन दुनिया को इसके लिए तैयार रहना होगा।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत', बड़वानी (मप्र)

आंचलिक

घना कोहरा, दृश्यता 80 मीटर रही, सूरज चंद्रमा जैसा दिखा, तापमान 10.4 डिग्री दर्ज

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • लगातार दूसरे दिन घना कोहरा छाया रहा, जिससे सुबह के समय जनजीवन प्रभावित हुआ। बुधवार सुबह करीब 7:30 बजे दृश्यता घटकर सिर्फ 80 मीटर रह गई। कोहरे के कारण सुबह 8 बजे सूरज भी चंद्रमा की तरह धुंधला नजर आया। सुबह शहर का तापमान 10.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीते 24 घंटों में रात के तापमान में 0.4 डिग्री की मामूली बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, शीतलहर का असर बना हुआ है। सुबह 10:30 बजे के बाद कोहरा कुछ हद तक छंटा, लेकिन ठंड बनी रही। लगातार दो दिनों से रात और सुबह के समय लोग अलाव जलाकर ठंड से बचाव करते नजर आए।

फसलों पर कोहरे का असर– खेतों में इस समय पर्याप्त नमी है, लेकिन लगातार कोहरा रहने से गेहूं और चने की फसलों पर कीटों का खतरा बढ़ गया है। किसान श्यामसिंह पवार ने बताया कि धुंध और कोहरे के कारण चने की फसल में कीट लगने की आशंका है। वहीं, जल्दी बोई गई गेहूं की फसल में फूल आ रहे हैं, जिन पर भी कीटों का असर पड़ सकता है।

मौसम वैज्ञानिकों की चेतावनी– मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार उत्तरी क्षेत्रों में बर्फबारी और पश्चिमी विक्षोभ के कारण कोहरे और धुंध की स्थिति बनी हुई है। अगले दो–तीन दिनों तक मौसम में खास बदलाव की संभावना नहीं है। कोहरा छंटने के बाद ठंड और बढ़ सकती है।

पिछले चार दिनों से तापमान 10 डिग्री से ऊपर– हल्के कोहरे की वजह से पिछले चार दिनों से रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। बुधवार को न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री और रविवार को 10.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

गुजराती वणिक समाज में एक माह में 15 मौतें, समाजजनों ने लंबी उम्र व सर्व बाधा मुक्ति के लिए कराया हवन-यज्ञ

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • श्री सकलपंच गुजराती मोढ़ वणिक समाज में पिछले एक महीने में लगभग 15 लोगों की आकस्मिक मृत्यु हुई है। इन मौतों के बाद, समाजजनों ने मृत आत्माओं की शांति और समाज के सदस्यों की लंबी उम्र के लिए एक विशेष हवन और यज्ञ का आयोजन किया। इसमें प्रार्थना, अभिषेक, ओम महिम्न अभिषेक और सर्व बाधा मुक्ति यज्ञ शामिल थे। समाज अध्यक्ष रमेश दलाल, उपाध्यक्ष सतीश शाह और सचिव उपेंद्र गुजराती ने बताया कि हाल ही में हुई आकस्मिक मृत्यु की घटनाओं को रोकने और समाज पर प्रभु की कृपा बनाए रखने के उद्देश्य से यह प्रार्थना, अभिषेक और यज्ञ आयोजित किया गया। इस दौरान ओम महिम्न अभिषेक और सर्व बाधा मुक्ति यज्ञ कराए गए। पंडित तेजस महाराज ने यज्ञ और पूजन प्रक्रिया पूरी कराई। उन्होंने बताया कि समाज में हुई 15 मौतों के पीछे बीमारी, गिरने या अन्य विभिन्न कारण रहे, जिसके चलते इस अनुष्ठान का आयोजन आवश्यक समझा गया।

आयोजन में किए गए 'ओम महिम्न अभिषेक' का विशेष महत्व है। यह भगवान शिव की महिमा का गुणगान है, जो शिवमहिम्न स्तोत्र के माध्यम से किया जाता है। गंधर्वराज पुष्पदंत द्वारा रचित यह स्तोत्र भगवान शिव को अत्यंत प्रिय माना जाता है और इसके माध्यम से भक्त शिव कृपा प्राप्त करते हैं। महिम्न अभिषेक के लाभों में शिव तत्व की प्राप्ति, समाज के लिए धन, वैभव, यश, कीर्ति, तथा समाजजनों को दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य का आशीर्वाद शामिल है। इसी प्रकार, 'सर्व बाधा मुक्ति यज्ञ' एक शक्तिशाली वैदिक अनुष्ठान है। इसका मुख्य उद्देश्य जीवन और समाज से समस्त बाधाओं, नकारात्मक ऊर्जाओं, कष्टों और समस्याओं से मुक्ति दिलाना है।

नए निगम भवन में कॉन्फ्रेंस हॉल का विस्तार व सोलर पैनल का तैयार करें प्लान : अमृता अमर

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • सिविल लाइंस क्षेत्र में बन रहे नगर निगम के नए कार्यालय भवन का अब तक 85 फीसदी काम हो चुका है। शुक्रवार को महापौर अमृता अमर यादव ने अफसरों के साथ नए भवन का निरीक्षण कर चल रहे कामों का जायजा लिया। उन्होंने बताया नए निगम भवन का निर्माण पूर्णता की ओर है। अभी चौथी मंजिल पर अंतिम चरण में काम चल रहा है। इस दौरान महापौर ने कॉन्फ्रेंस रूम की क्षमता बढ़ाने और इसमें कुछ लेआउट संबंधी सुधार के लिए भी कहा। साथ ही छत पर सोलर पैनल स्थापित करने को लेकर भी चर्चा की। आयुक्त प्रियंका राजावत ने वर्तमान में उपलब्ध फर्नीचर की सूची और अधिकारियों–कर्मचारियों का विवरण जल्द तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा आवश्यक फर्नीचर की मांग और कक्ष आवंटन की प्रक्रिया को व्यवस्थित रूप से पूरा किया जा सके। इस अवसर पर भाजपा नेता अमर यादव, सुनील जैन, भारत सुरजाये, भूपेंद्र सिंह बिसेन, नवनीत शुक्ला, गौरव खरे, ठेकेदार दीपेश राठौर सहित अधिकारी–कर्मचारी मौजूद थे।

यूपी से मुंबई जा रहा था नाबालिग प्रेमी जोड़ा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • यूपी के इटावा से भागे एक नाबालिग प्रेमी जोड़े को साल के पहले दिन खंडवा स्टेशन पर उतारा गया है। यहां बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश करने के बाद उन्हें परिजनों के सुपुर्द किया गया। दोनों पिछले डेढ़ साल से प्रेम–प्रसंग में थे, जो कि अब घर से भागकर मुंबई के लिए रवाना हुए थे। दोनों ने मुंबई जाने के लिए रास्ते में बार–बार ट्रेन बदली, मोबाइल सिम तक तोड़ दी। जिससे कि उनकी लोकेशन ट्रेस नहीं हो सकें।

नाबालिग प्रेमी जोड़े की तलाश के लिए यूपी पुलिस की तीन अलग–अलग टीमें लगी थी। लड़की हिंदू थी, वहीं लड़का मुस्लिम समाज से था। दोनों का धर्म अलग होने के कारण भी यूपी पुलिस अलर्ट मोड़ पर थी। खंडवा आरपीएफ ने दोनों को मुंबई जाते हुए पंजाब मेल ट्रेन से उतारा। दोनों को दस्तयाब किया और फिर बाल कल्याण समिति के सुपुर्द किया। बाल कल्याण समिति ने दोनों से पूछताछ की, बयान दर्ज किए और फिर पुलिस की मौजूदगी में उन्हें परिजनों के सुपुर्द कर दिया। यूपी पुलिस पूरी शिद्दत के साथ नाबालिग प्रेमी जोड़े की तलाश में जुटी थी। इस बात की भनक दोनों को थी। उनकी मोबाइल लोकेशन ट्रेस ना हो, इसलिए लड़की ने एंड्रायड मोबाइल की सिम निकालकर तोड़ दी थी। वहीं लड़के ने खुद का मोबाइल फोन बंद करके रखा था। साथ ही वे बार–बार ट्रेन बदल रहे थे।

इटावा से मुंबई के लिए सवार हुए लेकिन ग्वालियर में उतर गए फिर ग्वालियर से बैठे तो बीना में उतर गए। बीना से पंजाब मेल ट्रेन में बैठकर मुंबई जाने लगे, तभी खंडवा स्टेशन पर आरपीएफ पुलिस ने दोनों को उतार लिया।

बताया गया कि लड़की के पास दो मोबाइल थे, लोकेशन ट्रेस होने के डर से उसने एंड्रायड मोबाइल की सिम को निकालकर तोड़ दिया था। लेकिन उसके पास मौजूद एक की–पैड मोबाइल एक्टिव था जिससे कि प्रेमी अपने मुंबई निवासी रिश्तेदार से संपर्क में था। यूपी पुलिस की मोबाइल सर्विलांस टीम ने की–पैड मोबाइल को लगातार सर्च पर रखा था। उसी से टावर लोकेशन सर्च हो रही थी। इसके अलावा बीना रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज में यह क्लियर हो गया कि वह पंजाब मेल ट्रेन में बैठे हैं। सूचना मिलने पर खंडवा स्टेशन पर आरपीएफ टीम पहले से एक्टिव हो गई थी।

खंडवा में सिटी मजिस्ट्रेट ने कहा- जेसीबी चलवा दूंगा; फिर हाथ से गिरवाई दीवार

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • खंडवा के खानशाहवली क्षेत्र में बिना अनुमति बन रहे मकान पर प्रशासन की टीम ने कार्रवाई की। सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर ने निर्माण कर रहे फिरोज खान को फटकार लगाई। उन्होंने कहा– 'तुम अवैध रूप से मकान का निर्माण नहीं कर सकते। तुम्हारे पास अनुमति के कोई दस्तावेज नहीं हैं। इस पर फिरोज खान ने कहा– नगरपालिका परमिशन लेने गए थे, लेकिन अन डायवर्शन में परमिशन नहीं मिलती है। इस पर अफसर ने सलाह देते हुए कहा कि एसडीएम ऑफिस आना, वहां से डायवर्शन होगा और फिर परमिशन मिलेगी। इतना कहने के साथ ही अफसर ने कहा– चलो दीवार गिराओ...। फिरोज खान के विरोध करने पर वे कहते हैं– मकान की दीवारें कैसे नहीं गिरेंगी, साला...तेरी जबरदस्ती है क्या यहां। अभी बुलडोजर चलवा दूंगा। इसके बाद नगर निगम की टीम ने निर्माणाधीन मकान की दीवारें गिरा दीं। निगम की टीम ने मकान की निर्माणाधीन दीवारें एक–एक कर तोड़ दी। कार्रवाई के बाद सिटी मजिस्ट्रेट ने निर्माणकर्ता को सख्त चेतावनी दी कि बिना अनुमति के अब मकान में एक भी ईंट नहीं लगनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे पुराने निर्माण की बात नहीं कर रहे, लेकिन नया अवैध निर्माण नहीं होने देंगे।

शॉपिंग मॉल समेत 60 निर्माण चिन्हित

नगर निगम ने शहर में अब तक 60 से ज्यादा ऐसे निर्माणकर्ताओं को नोटिस दिए हैं, जिन्होंने बिना अनुमति या अनुमति के विपरीत पक्का निर्माण किया है। इनमें बड़ाबम चौक स्थित शॉपिंग मॉल भी शामिल है, जिसका निर्माण अनुमति के उलट हुआ है। लगातार नोटिस के बाद भी निर्माणकर्ता इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

अभी संन्यास लेने का इरादा नहीं : स्मिथ

सिडनी (एजेंसी) • ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा है कि अभी वह खेल का आनंद ले रहे हैं और उनका निकट भविष्य में संन्यास का कोई इरादा नहीं है। स्मिथ ने अबत एशेज सीरी में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। नियमित कप्तान पीट कमिंस के बाहर होने से वह कप्तानी की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। स्मिथ के अनुसा अभी वह फिट हैं और लंबे समय तक टीम के लिए खेल सकते हैं। वहीं स्मिथ से जब उनके एशेज 2027 में खेलने को लेकर सवाल पूछा गया। तो उन्होंने कहा, मैंने कुछ समय से कहा है, मैं इसे सीरीज-दर-सीरीज देख रहा हूं, और हम देखेंगे कि चीजें कहां पहुंचती हैं। मुझे लगता है कि मैं अभी ठीक कर रहा हूं, मैं खेल का आनंद ले रहा हूं, मैं अपना योगदान दे रहा हूं, और इसमें मुझे अच्छा लग रहा हूं। इसलिए अभी संन्यास को लेकर कोई तारीख तय नहीं की जा सकती है।

उन्होंने कहा, हाल के कुछ साल में ऑस्ट्रेलियाई टीम के अच्छे प्रदर्शन से खेल और बेहतर हुआ है। मैच अब ड्रॉ नहीं हो रहे बल्कि परिणाम आ रहे है। ये अच्छे संकेत हैं। हमारे पास एक अच्छी टीम है। हम लगातार दो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेले हैं। ऐसा कभी नहीं हुआ कि केवल एक या दो खिलाड़ी ही खेले रहे हों। टीम के सभी खिलाड़ी अपनी ओर से योगदान दे रहे हैं। इसी वजह से हम एक अच्छी टीम बने हैं। इस टीम का हिस्सा बआ रहना सबसे अच्छा रहा है। अब एक बड़े खिलाड़ी के तौर पर, मैं आने वाले कुछ खिलाड़ियों की सहायता कर सकूंगा और उन्हें टेस्ट क्रिकेट का खेल सिखाने में सहायता कर सकूंगा।स्मिथ ने संन्यास की घोष्णा करने वाले उस्मान ख्वाजा की भी प्रशंसा की है। वहीं अपनी कप्तानी में ख्वाजा को टीम में नहीं लिए जाने पर स्मिथ ने कहा कि इससे उन्हें सबक मिला और ख्वाजा ने स्पिनरों के खिलाफ अपने खेल को पहले से बेहतर बनाया है। ,

शमी को बताया टीम इंडिया में वापसी का तरीका-इरफान पठान

नई दिल्ली (एजेंसी) • चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले मोहम्मद शमी टीम इंडिया में वापसी नहीं कर पा रहे हैं। पहले वह चोट के चलते टीम से बाहर थे, मगर अब उन्होंने अपनी फिटनेस पूरी तरह से हासिल कर ली है और वह डोमेस्टिक क्रिकेट में भी तहलका मचा रहे हैं। मगर इसके बावजूद चयनकर्ता उन्हें मौका नहीं दे रहे हैं। इरफान पठान मोहम्मद शमी के चयन न होने से काफी निराश है, उन्होंने इसके लिए चयनकर्ताओं को लताड़ा भी है, साथ ही उन्होंने शमी को टीम इंडिया में कमबैक करने का आखिरी रास्ता भी दिखाया है। इरफान पठान ने कहा, सबसे बड़ी बात मोहम्मद शमी हैं। उनका भविष्य क्या है? वह कोई ऐसे खिलाड़ी नहीं हैं, जो कल आए, कुछ मैच खेले और चले गए। उन्होंने 450-500 इंटरनेशनल विकेट लिए हैं, जो बहुत बड़ी संख्या है। अगर आपने 400 से ज्यादा विकेट लिए हैं और फिर आपको टीम से बाहर कर दिया जाता है और आपकी फिटनेस पर सवाल उठाए जाते हैं, तो ऐसा सबके साथ होता है। जब तक आप क्रिकेट खेलते हैं, आपको खुद को साबित करते रहना पड़ता है।

उन्होंने आगे कहा, लेकिन शमी पहले ही 200 ओवर फेंक चुके हैं। 200 ओवर फेंकने के बाद, अगर फिटनेस की बात है, तो फिटनेस तो पहले ही दिख चुकी है। और क्या सुधार चाहिए, यह तो सिर्फ सिलेक्शन कमेटी ही जानती है कि वे क्या सोच रहे हैं। अगर मैं उनकी जगह होता, तो आईपीएल खेलने जाता और धमाल मचा देता। मैं नई गेंद लेता और उस लेवल पर परफॉर्म करता। डोमेस्टिक क्रिकेट परफॉर्मेंस की बात होती है, लेकिन जब आईपीएल आता है और आप अपनी पुरानी लय और फिटनेस दिखाते हैं, तो कोई भी आपको नजरअंदाज नहीं कर सकता। पूरी दुनिया आईपीएल देखती है।

फिल्म 'गांधी टॉक्स' की रिलीज डेट का ऐलान

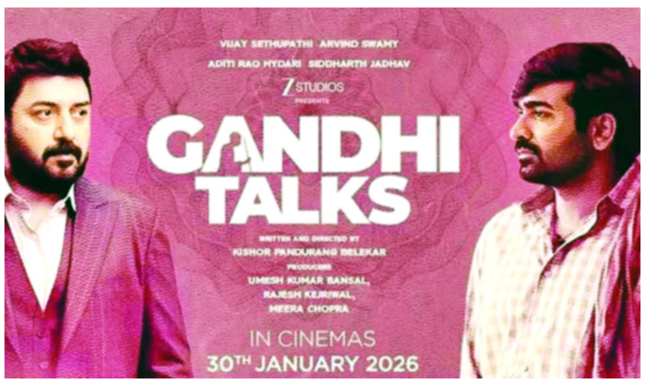

मुंबई (एजेंसी) • फिल्म 'गांधी टॉक्स' जनवरी को रिलीज़ होगी। यह फिल्म 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। इस फिल्म में विजय सेतुपति, अरविंद स्वामी, अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ जाधव जैसे दमदार कलाकार नज़र आएंगे। फिल्म की सबसे खास बात है ए.आर. रहमान का संगीत, जो गांधी टॉक्स की आत्मा और आवाज़ बनकर उभरता है। संवादों की अनुपस्थिति में रहमान का बैकग्राउंड स्कोर दर्शकों को भावनात्मक यात्रा पर ले जाता है। उनका संगीत खामोशी को एक गहरे, प्रभावशाली अनुभव में बदल देता है, जो फिल्म को वैश्विक और फेस्टिवल-रेडी स्तर पर स्थापित करता है। निर्देशक किशोर बेलेकर ने कहा, 'गांधी टॉक्स खामोशी पर भरोसा करने वाली फिल्म है। जब भारतीय सिनेमा सौ से अधिक वर्षों की यात्रा पूरी कर चुका है, तब हम इसकी सबसे मूल भाषा, यानि शुद्ध अभिनय और भावनाओं की ओर लौटना चाहते थे।

पहले इंटिमेट एक्सपीरियंस को शेयर किया केट विंसलेट ने

मुंबई (एजेंसी) • फिल्म 'टाइटैनिक' से पॉपुलर हुई एक्ट्रेस केट विन्सलेट ने अपने पहले इंटिमेट एक्सपीरियंस को शेयर किया। एक्ट्रेस ने कहा कि अपने टीनएज के आखिरी सालों में जिज्ञासु थीं और वह 1994 की फिल्म हेवनली क्रिएचर्स में अपने किरदार से खुद को जोड़ पाईं, जो दो टीनएज लड़कियों के बीच सब कुछ खत्म कर देने वाले और जुनूनी रिश्ते के बारे में थी। वहीं उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने सेम सेक्स के साथ भी इंटिमेट एक्सपीरियंस शेयर किया है। उन्होंने एक पॉडकास्ट पर चर्चा के दौरान कहा, मैं कुछ ऐसा शेयर करूंगी जो मैंने पहले कभी शेयर नहीं किया। उन्होंने आगे कहा, एक यंग टीनएजर के तौर पर मेरे कुछ पहले इंटिमेट एक्सपीरियंस असल में लड़कियों के साथ थे। मैंने कुछ लड़कियों को किस किया था, मैंने कुछ लड़कों को भी किस किया था, लेकिन मैं किसी भी दिशा में खास आगे नहीं बढ़ी थी। लेकिन अपनी जिंदगी के उस पड़ाव पर मैं जानना चाहती थी और मुझे लगता है कि उन दो महिलाओं के बीच जो बहुत गहरा रिश्ता था उसे मैं बहुत अच्छे से समझती थी। मैं तुरंत उस दुनिया के भंवर में खिंची चली गई, जिसमें वे थीं, जो जाहिर है उन दोनों के लिए बहुत ज्यादा नुकसानदायक साबित हुई। केट ने आगे कहा, मेरा मतलब है कि उन्होंने किसी का मर्डर कर दिया क्योंकि उन्हें सच में विश्वास था कि वह इंसान उन्हें एक साथ रहने से रोक रहा था।

उज्जैन संभाग

टोलकर्मियों ने बस यात्रियों को लाठी-डंडों से पीटा, एक युवक गंभीर घायल

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन-झालावाड़ राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर स्थित पिपलई (निपानिया) टोल प्लाजा पर टोलकर्मियों ने यात्रियों पर लाठी-डंडों से पीटा। घटना शनिवार रात की है। वीडियो रविवार को सामने आया। बस उज्जैन से आगर जा रही थी। जानकारी के मुताबिक टोल प्लाजा पर कर्मचारी बीच लेन में अलाव जलाकर बैठे थे। वहां न तो कोई बैरिकेड्स लगाए गए थे और न ही संकेतक। इसी दौरान मालवा बस अनजाने में उसी लेन में प्रवेश कर गई। बस में सवार कुछ युवकों ने जब टोल कर्मचारियों से रास्ता साफ करने को कहा, तो विवाद बढ़ गया। आरोप है कि एक टोल कर्मचारी बस के अंदर तक घुसा और यात्रियों पर लाठी बरसाने लगा। आगे बैठी महिला यात्री दहशत में आकर चीखने लगी। स्थिति बिगड़ती देख ड्राइवर ने सूझबूझ दिखाते हुए बस को आगे बढ़ा दिया।

टोल कर्मचारियों के खिलाफ केस दर्ज

घटिया थाना प्रभारी करण कुआंल ने बताया कि उन्हें निपानिया टोल पर मारपीट की सूचना मिली थी। टोलकर्मियों द्वारा मालवा बस में सवार युवराज (25), निवासी माकड़ोन के साथ मारपीट की गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, स्थिति को नियंत्रण में लिया। घायल युवक का उपचार कराया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में दो आरोपियों की पहचान कर ली गई है। अन्य टोल कर्मचारियों के खिलाफ भी अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

इंदौर में दूषित पानी से मौतें, कांग्रेस का प्रदर्शन,घंटा बजाकर विरोध जताया, विजयवर्गीय के इस्तीफे की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • कांग्रेस ने इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों के विरोध में प्रदर्शन किया। शहर एवं जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में यह प्रदर्शन मुख्यमंत्री निवास के पास किया गया, जहां कार्यकर्ताओं ने घंटा बजाकर अपना विरोध दर्ज कराया। यह प्रदर्शन इंदौर में दूषित पानी पीने से 16 लोगों की मौत और सैकड़ों के बीमार होने की घटना के बाद आयोजित किया गया। इसमें शहर और जिले के सभी कांग्रेसजन, ए-ब्लॉक अध्यक्ष, युवक कांग्रेस, सेवादल, आईटी सेल, अल्पसंख्यक कांग्रेस सहित सभी प्रकोष्ठों के पदाधिकारी और निर्वाचित जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इंदौर की घटना ने प्रदेश की जल आपूर्ति व्यवस्था की खामियों को उजागर किया है। विधायक महेश परमार ने चेतावनी दी कि उज्जैन की स्थिति भी इंदौर से अलग नहीं है और यदि सरकार ने समय रहते ध्यान नहीं दिया, तो उज्जैन में भी ऐसी घटना हो सकती है। उन्होंने उज्जैन में भाजपा की 'ट्रिपल इंजन' सरकार (विधायक, सांसद और महापौर) होने के बावजूद स्वच्छ पेयजल न मिलने पर चिंता व्यक्त की। शहर कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया कि

कांग्रेस कार्यकर्ता मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने आए थे, लेकिन प्रशासन ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बाद कांग्रेसियों ने गांधीवादी तरीके से सड़क पर बैठकर धरना दिया और शांतिपूर्ण ढंग से अपना विरोध दर्ज कराया। विधायक दिनेश जैन 'बॉस' ने कहा कि इंदौर जैसे स्वच्छता में अग्रणी शहर में दूषित पानी से मौतें सरकार की गंभीर विफलता है। उन्होंने इस मामले में नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय से इस्तीफे की मांग की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने छीर सागर से देवास रोड होते हुए रैली के रूप में मुख्यमंत्री निवास की ओर कूच किया। हालांकि, पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें पहले ही रोक लिया। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की और घंटा बजाया। नेताओं ने सड़क पर बैठकर संबोधन दिया और अंत में इंदौर की घटना में मृतकों को मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रदर्शन समाप्त किया।

नर्सरी से 5वीं तक स्कूलों की छुट्‌टी, सीजन की पहली फुहार

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • आज से नर्सरी से पांचवीं कक्षा तक के स्कूलों की छुट्‌टी घोषित कर दी गई। जारी आदेश में कहा है कि सभी शासकीय, अशासकीय, सीबीएसई, आईसीएसई और निजी स्कूलों में अवकाश रहेगा। यह व्यवस्था आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगी। कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए स्कूलों का संचालन समय यथावत रहेगा। इससे पहले, शीतकालीन अवकाश सत्र 2025-26 के तहत जिले के अधिकांश स्कूलों में 31 दिसंबर 2025 से 4 जनवरी 2026 तक अवकाश घोषित किया था।

शनिवार शाम से बदला तापमान

इस सर्दी में पहली बार कोहरे के साथ हल्की फुहार भी हुई है। शनिवार को शुरू हुई यह स्थिति रविवार सुबह भी बनी रही। जिससे शहर में कड़ाके की ठंड का असर बढ़ गया। न्यूनतम तापमान 11.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम में शनिवार शाम ढलने के बाद बदलाव आया। रात करीब 12 बजे शहर के कई हिस्सों में घना कोहरा छा गया, जिससे दृश्यता (विजिबिलिटी) में भारी गिरावट आई। रविवार सुबह

कुछ इलाकों में दृश्यता लगभग शून्य तक पहुंच गई। इस कारण यातायात प्रभावित हुआ और वाहन चालकों को विशेष सावधानी बरतनी पड़ी।

दिन में हेडलाइट जलाकर वाहन चलाने पड़े

कोहरे का असर रविवार सुबह भी बरकरार रहा। शिप्रा ब्रिज, नानाखेड़ा बस स्टैंड और इंदौर रोड जैसे प्रमुख मार्गों पर घना कोहरा देखा गया। सड़कों पर सामान्य दिनों की तुलना में लोगों की आवाजाही कम रही। वाहन चालकों को कम दृश्यता के कारण हेड लाइट जलाकर चलना पड़ा, ताकि दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी का असर

शासकीय जीवाजी वेधशाला उज्जैन के अधीक्षक डॉ. राजेंद्र प्रकाश गुप्त ने बताया कि वर्तमान में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। इसके प्रभाव से पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी हो रही है, जिसका असर मालवा अंचल में ठंडी हवाओं, कोहरे और हल्की फुहार के रूप में दिखाई दे रहा है।

200 मीटर तक रह गई विजिबिलिटी

वेधशाला से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, शनिवार को न्यूनतम तापमान 11.4 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 20.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह की आर्द्रता 98 प्रतिशत और हवा की गति 4 किलोमीटर प्रति घंटा रही। हल्के कोहरे के दौरान शहर में दृश्यता 100 से 200 मीटर के बीच थी, जबकि अलसुबह और देर रात घना कोहरा छाया रहा।

मकर संक्रांति स्नान, शिप्रा में डुबकी के लिए कान्ह का पानी, ब्रिज रपट व सीवरेज का काम बन सकता है बाधा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • 14 जनवरी को मकर संक्रांति का स्नान पर्व हैं। इस बार स्नान पर्व के लिए शिप्रा में नर्मदा का पानी लेने से पहले अफसरों को एक-दो नहीं चार चुनौतियों से जूझना पड़ेगा। हर वर्ष मकर संक्रांति पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु शिप्रा के रामघाट पर स्नान करने पहुंचते हैं। ऐसे में प्रशासन एनवीडीए से पाइपलाइन के जरिए के नर्मदा का साफ शिप्रा में लेता है। पीएचई ने कलेक्टर कार्यालय को मकर संक्रांति स्नान पर्व के लिए एनवीडीए को पत्र भेजने के लिए प्रस्ताव दे दिया है। कलेक्टर कार्यालय से पत्र एनवीडीए भेजा जा रहा है, ताकि वहां से समय रहते शिप्रा के लिए पानी छोड़ा जा सके। इधर कुछ चुनौतियां सामने आई हैं, जिन्हें नर्मदा का पानी लेने से पहले अधिकारियों को समझना होगा। अन्यथा लिया जा रहा पानी दूषित हो सकता है या फिर उसके जरिए शिप्रा किनारे हो रहे विभिन्न कार्य प्रभावित-बाधित हो सकते हैं।

मकर संक्रांति स्नान का धार्मिक महत्वः शिप्रा में मकर संक्रांति स्नान का विशेष महत्व है। क्योंकि यह सूर्य के उत्तरायण होने का पर्व है, जिसमें श्रद्धालु शिप्रा में डुबकी लगाकर, तिल-गुड़ का दान, तर्पण और सूर्य को अर्घ्य देते हैं, जिससे पाप-ताप नष्ट होते। पितरों को शांति मिलती है और जीवन में सकारात्मकता व समृद्धि आती है। कान्ह का गंदा पानी - कान्ह का गंदा पानी शिप्रा में लगातार? मिल रहा है। नर्मदा का साफ पानी लेने से पहले इसकी रोकथाम जरूरी है। दानी गेट पर छोटी रपट का निर्माण शिप्रा पर छोटी रपट पुलिया निर्माणः यहां पानी रोकने के लिए प्लेट लगा रखी है। समझना होगा कि रुका हुआ गंदा पानी आने वाले साफ पानी को गंदा ना कर दे। या गंदे पानी को आगे बहाए तो रपट का काम तो प्रभावित नहीं होगा।

न्यूज ब्रीफ

समाधान योजना में लाखों उपभोक्ता लाभान्वित

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मालवा निमाड़ में प्रतिदिन हजारों उपभोक्ता समाधान बिजली योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। अब तक पश्चिम मप्र में 3.30 लाख से अधिक उपभोक्ता लाभान्वित हो चुके हैं। एक मुश्त मूल बिजली बिल जमा कर सरचार्ज पूरा माफ कराने वालों की संख्या एक लाख 84 हजार से ज्यादा रही, शेष एक लाख 46 हजार से ज्यादा उपभोक्ता किश्तों में बकाया राशि जमा करने का विकल्प चुनने वाले रहे। समाधान योजना से बिजली कंपनी को करीब 94 करोड़ रूपए का राजस्व मिला है, जबकि कंपनी क्षेत्र के उपभोक्ताओं को 15 करोड़ रूपए की रियायत प्रदान की गई है। समाधान योजना का सबसे ज्यादा इंदौर जिले के 43 हजार से ज्यादा उपभोक्ताओं ने लाभ लिया है। उज्जैन जिले में 34700, रतलाम जिले में 29500 उपभोक्ताओं को रियायत दी गई है। मप्र शासन की उपरोक्त समाधान योजना में सर्वाधिक छूट की पात्रता 31 जनवरी तक प्रभावी है।

माध्यमिक शिक्षकों का वेतन रविवार तक नहीं हुआ, शिक्षकों में नाराजगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जिलें के हजारों माध्यमिक शिक्षकों को रविवार तक भी वेतन भुगतान नहीं होने से उनमें गहरी नाराजगी व्याप्त है। पुरानी पेंशन बहाली संघ के जिलाध्यक्ष एवं शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश के प्रदेश मीडिया प्रभारी दिनेश परमार के मुताबिक जिलें में कार्यरत हजारों माध्यमिक शिक्षकों को रविवार 4 जनवरी तक वेतन भुगतान नहीं होने से उनमें नाराजगी व्याप्त है। उन्होंने बताया कि अधिकांश शिक्षकों ने बैंक लोन लें रखें है उनकी ईएमआई 2 तारीख को कटने से उन्हें बैंक सरचार्ज देने को विवश होना पड़ा है। जिम्मेदार अधिकार और बाबूओं की गलती का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है। श्री परमार ने बताया कि यदि सोमवार तक भी वेतन का भुगतान नहीं किया गया तो उन्हें मजबूरन आंदोलन कर वरिष्ठ अधिकारियों को ज्ञापन देना पड़ेगा।

गांव में भी पानी की तरह बहे पैसे, फिर भी नसीब नहीं हुआ शुद्ध पेयजल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● गला तर करने से लेकर प्राण रक्षा तक का एकमात्र सर्वोत्तम साधन शुद्ध पेयजल है। लेकिन, मप्र के शहर ही नहीं गांवों में भी शुद्ध पेयजल की कोई गारंटी नहीं है। इंदौर में दूषित पानी पीने के बाद हुई 15 मौतें इस बात की गवाही दे रही हैं। लोगों को शुद्ध पेयजल मुहैया कराने के लिए सरकार द्वारा पानी की तरह पैसे बहाए गए हैं, उसके बाद भी शुद्ध पेयजल नसीब नहीं हो रहा है।

इंदौर में दूषित पेयजल के कारण 15 लोगों की जान चली गई। कई बीमार हैं और उनका उपचार चल रहा है। दूषित पेयजल की यह स्थिति केवल शहरी क्षेत्र में नहीं बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी है। शहरी पेयजल की जो व्यवस्था है, उससे लोगों को शुद्ध पेयजल मिलना मुश्किल है। शहर की आधी से भी अधिक आबादी सरकारी पानी से दूर हैं। जिन्हें पानी मिलता भी है उन्हें उसकी शुद्धता की गारंटी नहीं मिलती। कारण वर्षो पुरानी पाइप लाइन जर्जर व कई जगहों पर टूटी हुई हैं। टूटे पाइप में कचरा व गंदगी भी जाने से पानी पीने योग्य नहीं रह जाता। शुद्ध पेयजल के लिए योजनाओं पर पानी की तरह पैसे बहाए गए। परंतु, लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हो सका। वहीं ग्रामीण स्तर पर पेयजल परियोजना पूरी तरह दम तोड़ चुकी है। पानी टंकी का निर्माण कई प्रखंडों में हुआ कुछ योजनाएं चलने के बाद बंद हैं तो कई योजनाएं बिना लाभ दिए दम तोड़ गई है।

जल स्त्रोतों की जांच ही नहीं होती

दरअसल, पेयजल की शुद्धता को यहां कोई गारंटी नहीं है क्योंकि वर्षों तक जल स्त्रोतों की जांच ही नहीं होती है। 45,712 ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों को जांच के लिए प्रशिक्षण देने के साथ किट भी दिए गए लेकिन इनका उपयोग कम ही हो रहा है। जल स्त्रोतों की जांच नियमानुसार प्रतिमाह होनी चाहिए लेकिन ऐसा होता नहीं है। रस्म अदायगी के लिए मानसून के पहले और बाद में जांच कर ली जाती है। सैंपल लेने की जिम्मेदारी हैंडपंप मैकेनिकों के साथ आउटसोर्स एजेंसियों को दी गई है मगर ये मौके पर पहुंचते ही नहीं हैं। प्रदेश में साढ़े छह लाख हैंडपंप, हजारों कुओं और 16,115 एकल ग्राम योजना के माध्यम से जलापूर्ति हो रही है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत 27,999 एकल ग्राम योजनाएं स्वीकृत हैं। समूह नलजल योजनाएं वर्ष 2027 तक प्रारंभ हो जाएंगी। जल गुणवत्ता की जांच के लिए राज्य स्तर और प्रत्येक जिले में एक-एक के साथ उपखंडों को मिलाकर 155 प्रयोगशालाएं संचालित हैं। प्रत्येक जिले में मोबाइल वैन भी संचालित हैं, जो आउटसोर्स की गई हैं। 45,712 ग्राम समितियों को भी जांच के लिए समक्ष बनाया गया है। 800 हैंडपंप मैकेनिक हैं। आउटसोर्स के माध्यम से भी मैकेनिक काम कर रहे हैं।

वाटर सप्लाई मॉनिटरिंग को लेकर सीएम डॉ. मोहन सख्त

इंदौर में दूषित पानी पीने से मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। वहीं सैंकड़ों लोग अब भी अस्पताल में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे हैं। इस बीच पूरे प्रदेश में पानी वितरण की मॉनिटरिंग को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सख्त हो गए हैं। सीएम ने सभी नगरीय निकायों में जांच के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जल प्रदाय के तहत पानी के शुद्धिकरण की जांच की जाए। लापरवाही मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अफसरों को हर महीने की सैंपल रिपोर्ट हर हाल में स्थानीय निकाय को भेजनी होगी। सीएम ने नगरीय प्रशासन विभाग को ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम तैयार करने के भी निर्देश दिए हैं।

नल जल की लाइनों में ड्रेनेज का पानी

इंदौर ही नहीं बल्कि प्रदेश के कई जिलों में नल जल की लाइनों में ड्रेनेज का पानी मिल रहा है। दावा यह है कि ये सभी नमूने एकत्र करके प्रयोगशाला को जांच के लिए भेजते हैं और यदि कोई गड़बड़ी होती है तो फिर सुधार का काम होता है लेकिन मैदानी स्थिति ऐसी बिलकुल भी नहीं है। अक्टूबर, 2025 में बड़वानी जिले के ग्राम सजवानी में 80 से अधिक लोग दूषित जल पीने से बीमार ही गए। इन्हें उल्टी-दस्त की समस्या हुई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि नल जल की लाइनों में ड्रेनेज का पानी मिलने से समस्या हुई। अधिकारी पहुंचे तो ग्रामीणों ने नल जल लाइन में रिसाव, चैंबर के पास गंदगी दिखाई। यह कोई पहली घटना नहीं थी। 2024 में मानसून के पहले इसी तरह मंडला, दमोह सहित अन्य जिलों में दूषित जल के कारण लोगों को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। डिंडौरी से कांग्रेस विधायक ओमकार सिंह मरकाम ने कहा कि विधानसभा में भी दूषित जलापूर्ति का मामला उठाया था। मंडला के मदिया राम गांव में दो लोग की जान दूषित जल के कारण चली गई। यह स्थिति अन्य स्थानों पर भी है। वहीं, नरसिंहपुर जिले की बोहानी हो या फिर अन्य पंचायते, जल स्त्रोतों की जांच नहीं होती है। उधर, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके का कहना है कि व्यवस्था में बहुत सुधार हुआ है। पंचायतों में जल गुणवत्ता की जांच के लिए प्रशिक्षण देने के साथ किंट भी है। वहीं, विभाग के प्रमुख अभियंता संजय कुमार गंधवान का कहना है कि नमूने एकत्र करने का काम हैंडपंप मैकेनिकों के साथ आउटसोर्स कर्मचारियों को दिया है। ग्राम स्तर पर भी समिति के सदस्यों को जांच के लिए प्रशिक्षित किया गया है। जल दर्पण पोर्टल भी बनाया है, जिसमें पानी की गुणवत्ता खराब है या फिर कहीं कोई और समस्या है तो उसकी शिकायत की जा सकती है।

रेसीडेंस एरिया में जिला प्रशासन द्वारा रेसीडेंसी एरिया की सभी भूमि सरकारी घोषित

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के रेसीडेंस एरिया में बवाल हो गया है। जिला प्रशासन द्वारा रेसीडेंसी एरिया की सभी भूमि सरकारी घोषित कर दी गई है। इसके साथ ही अब जमीन पर काबिज लोगों से उनके मालिकाना हक को लेकर कागज मांगे गए हैं। ऐसे में रेसीडेंसी एरिया में आजादनगर, धार कोठी, रतलाम कोठी, रेडियो कॉलोनी सभी की जमीन सरकारी हो गई है। इसका सर्वे पूरा कर रिपोर्ट प्रकाशन कर दिया गया है।

सर्वेक्षण अधिकारी तहसीलदार कमलेश कुशवाह ने बताया कि यहां दावे और आपत्ति के लिए लोग 12 जनवरी तक दस्तावेज लगा सकते हैं। इन दावों का निराकरण किया जाएगा। इसके बाद अपील कलेक्टर स्तर पर सुनी जाएगी। जानकारी के मुताबिक, अगर दावेदार अपने मालिकाना हक के दस्तावेज दिखा सकते हैं, तो उसे निजी घोषित किया जाएगा। सबसे बड़ा सवाल जो लोगों के मन में आ रहा है, वो ये है कि क्या उनकी जमीन पर सरकार कब्जा करेगी या फिर उसे तोड़ा जाएगा। तो इसका जवाब है नहीं। प्रशासन द्वारा किए गए सर्वे में यह भी बताया गया है कि कौन व्यक्ति अभी उस जमीन पर काबिज है। अगर किसी को राज्य सरकार, प्रशासन, रेसीडेंसी अथॉरिटी ऑफ इंडिया या होलकर रियासत से वैध दस्तावेज के जरिए जमीन मिली है, तो वह जमीन उनके पास ही रहेगी। यदि दस्तावेज नहीं है तो फिर प्रशासन इस जमीन के लिए उन्हें धारणाधिकार नियम के तहत औपचारिक रूप से उस भूखंड का पट्टा आवंटित करेगी। इसके लिए उनसे सालाना लीज रेंट लिया जाएगा, जैसे कि आईडीए की संपत्ति लेने पर 30 साल का लीज रेंट लिया जाता है। इसी तरह इन सभी को लीज रेंट देना होगा और उन्हें औपचारिक पट्टा दे दिया जाएगा। दरअसल रेसीडेंसी एरिया ब्रिटिश काल में विकसित एरिया था जो रेसीडेंसी अथारिटी आफ इंडिया के पास था। सीपीडब्ल्यूडी इस जमीन पर अपना कब्जा बताती आई है, जबकि उसका कब्जा केवल उसकी बनी संपत्ति पर माना गया ना कि पूरी जमीन पर। तत्कालीन कलेक्टर मनोज श्रीवास्तव ने इस एरिया का सर्वे नहीं होने पर इसे लेकर पहल की।

सरकार ने साल 2003 में इस पूरे एरिया की जमीन नजूल मानी। लेकिन कभी इसका सर्वे पूरा नहीं हो सका। इसके बाद जिला प्रशासन ने इसमें पहल की और तत्कालीन कलेक्टर आशीष सिंह के समय काम में तेजी आई।अब कलेक्टर शिवम वर्मा के समय यह काम पूरा हुआ और इसके बाद सर्वे के आधार पर इसका प्रारंभिक प्रकाशन कर दिया गया है।

इंदौर भागीरथपुरा मामले में

मंत्री विजयवर्गीय, महापौर को छोड़ बाकी बीजेपी नेताओं ने झांका भी नहीं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के भागीरथपुरा में गंदे पानी से हुई 16 मौतों ने पूरे प्रदेश और देश को हिला दिया। वहीं इंदौर के कुछ नेता इससे पूरी तरह दूरी बनाए हुए हैं। इस महामारी के दौरान मंत्री कैलाश विजयवर्गीय (जिनकी यह विधानसभा भी है) और महापौर पुष्यमित्र भार्गव लगातार मैदान में रहे। बाकी के नेता तो यहां से पूरी तरह पल्ला झाड़कर निकल गए।

करोड़पति नेता और ऐसी दूरियां

कांग्रेस से बीजेपी में आए संजय शुक्ला साल 2018 में इसी विधानसभा से विधायक भी रह चुके हैं। तब वह क्षेत्र में घूमकर खुब आर्थिक मदद करते थे। इस बार उन्होंने यहां से पूरी तरह से दूरी बनाकर रखी हुई है। महामारी के दौरान देखने तक नहीं पहुंचे। इनकी संपत्ति 200 करोड़ से अधिक है।

इसी तरह उनके ही परिजन और विधानसभा तीन से विधायक गोलू शुक्ला जो खुद 60 करोड़ से अधिक की संपत्ति के मालिक हैं। हाल ही में शादी कर चर्चा में आए, उन्होंने भी इस क्षेत्र में झांकना उचित नहीं समझा। ऐसे ही विधायक मधु वर्मा हो या महेंद्र हार्डिया या फिर पूर्व महापौर मालिनी गौड़ सभी ने बैठक में शामिल होने तक ही खुद को समेट कर रखा।

सांसद तो यहां से भी वोट लेते हैं

इसके साथ ही सांसद शंकर लालवानी ने भी इस मामले में चुप्पी ही साधे रखी। वह खुद इस एरिया में नहीं गए और ना ही किसी तरह की मदद के रूप में आगे आए। जबकि सांसद के तौर पर तो उन्होंने भी यहां से वोट लिए थे। कुल मिलाकर पूरा मामला बीजेपी नेताओं ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और महापौर तक ही सीमित मान कर अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ लिया।

मैट्रीमोनियल साइट पर शादी का झांसा युवती से 1.61 लाख की ठगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के एमजी रोड क्षेत्र में रहने वाली एक युवती के साथ मैट्रीमोनियल वेबसाइट पर शादी का झांसा देकर ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। आरोपी युवक ने भरोसा जीतकर युवती से 1 लाख 61 हजार रुपए अपने खातों में ट्रांसफर करवा लिए। ठगी का अहसास होने पर पीड़िता ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद एमजी रोड पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस के अनुसार स्नेहलतागंज निवासी निकिता शर्मा ने मैट्रीमोनियल वेबसाइट पर शादी के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था, जिसमें उनका मोबाइल नंबर दर्ज था। इसी दौरान गुरुग्राम, हरियाणा निवासी संदीप वशिष्ठ नाम के युवक ने वॉट्सऐप के जरिए उनसे संपर्क किया और बातचीत शुरू की।

आरोपी ने बातचीत के दौरान खुद को अविवाहित बताते हुए शादी का भरोसा दिलाया। नवंबर-दिसंबर 2025 के दौरान उसने पहली बार 1750 रुपए ट्रांसफर करवाए। इसके बाद गूगल कोड और ओटीपी के जरिए करीब 53 बार में कुल 1 लाख 61 हजार रुपए अपने खातों में डलवा लिए। पीड़िता को आरोपी ने बताया कि उसका डेबिट कार्ड गुम हो गया है और नया कार्ड आने में समय लगेगा। इसी बहाने से वह लगातार पैसों की मांग करता रहा। आरोपी करीब छह महीने से अधिक समय तक युवती के संपर्क में रहा।

26 दिसंबर तक पीड़िता आरोपी को बड़ी रकम दे चुकी थी। जब उसने डेबिट कार्ड को लेकर सवाल किए तो आरोपी ओटीपी में दिक्कत का बहाना बनाने लगा। शक बढ़ने पर युवती ने और जानकारी मांगी, जिसके बाद आरोपी ने संपर्क बंद कर दिया। इसके बाद पीड़िता ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। जांच के बाद एमजी रोड पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

संविधान की हत्या कर रही भाजपा: वार्ड 65 में दलित बस्तियां नारकीय हालात में, 15 दिन में न्याय नहीं तो सड़कों पर उतरेगी कांग्रेस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● ब्लॉक 14 के अध्यक्ष गिरीश जोशी,विवेक खंडेलवाल ने बताया कि स्वच्छता और विकास के खोखले दावों की आड़ में भाजपा सरकार संविधान और सामाजिक न्याय की खुलेआम हत्या कर रही है। स्वच्छता में 8 बार नंबर-1 बताए जाने वाले इंदौर शहर के वार्ड क्रमांक 65 की दलित बस्तियों में हालात अमानवीय और शर्मनाक हो चुके हैं।

यहां इंसानों को गंदगी, बदबू और बीमारी के बीच जीने के लिए मजबूर किया जा रहा है। पिछले 10 वर्षों से सार्वजनिक शौचालय बंद पड़े हैं, जिससे दलित समाज के लोगों को खुले में शौच के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। हर घर में ड्रेनेज का गंदा पानी भरा हुआ है जिससे न केवल गरिमा के साथ

जलाएंगे मुख्यमंत्री का पुतला

जीवन का अधिकार छीना जा रहा है, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 21 का भी खुला उल्लंघन हो रहा है। ड्रेनेज की गंभीर समस्या के कारण पिछले 3 वर्षों से कई दलित परिवार अपने ही घरों के कमरों का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। गंदगी और बदबू के कारण संक्रामक बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है, लेकिन प्रशासन आंख मूंदे बैठा है।

वार्ड 65 की हरिजन कॉलोनी, बापू नगर, जोशी कॉलोनी, खातीवाला टैंक एवं बैराठी क्षेत्र में एक जैसी दुर्दशा है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि भाजपा के स्थानीय पार्षद कमलेश कालरा दलित बस्तियों की समस्याओं से पूरी तरह मुंह मोड़ चुके हैं, जिससे यह साफ हो गया है कि भाजपा के लिए दलित समाज सिर्फ चुनावी वोट बैंक है। कांग्रेस पार्टी के 'घर चलो – शुद्ध पेयजल अभियान' के दौरान जब इन दलित बस्तियों में संपर्क किया गया, तो सच्चाई सामने आई कि यहां न तो शुद्ध पेयजल उपलब्ध है, न ड्रेनेज व्यवस्था, और न ही सम्मानजनक शौचालय—जो किसी भी नागरिक का मूल अधिकार है। इस अभियान का नेतृत्व ब्लॉक 14 के अध्यक्ष गिरीश जोशी ने किया, विवेक खंडेलवाल ने किया उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार दलित-वंचित समाज को जानबूझकर उपेक्षा और गंदगी में धकेल रही है, जो किसी भी सभ्य समाज के लिए कलंक है। उन्होंने प्रशासन और नगर निगम से मांग की कि 15 दिनों के भीतर दलित बस्तियों में ड्रेनेज, शुद्ध पेयजल और शौचालय की स्थायी व्यवस्था की जाए। अन्यथा कांग्रेस पार्टी संविधान, सामाजिक न्याय और दलित सम्मान की रक्षा के लिए मुख्यमंत्री का पुतला दहन कर उग्र आंदोलन करेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि आंदोलन के दौरान उत्पन्न किसी भी स्थिति की पूर्ण जिम्मेदारी भाजपा सरकार, नगर निगम और प्रशासन की होगी। कांग्रेस दलित-वंचित समाज के अधिकारों की यह लड़ाई पूरी ताकत से लड़ेगी। अभियान मै मुख्य रूप से देवेंद्र सिंह यादव,विवेक खंडेलवाल, शैलेश गर्ग, शीलू सेन, विशाल चतुर्वेदी,कमल संदवाने, बंटी खरे, प्रतीक मित्तल,हिमांशु यादव, बंटी चतुर्वेदी उपस्थित थे।

एसआईआर से बिगाड़ा राजनीतिक दलों का खेल : 42 लाख नाम कटने से भाजपा की चिंता बढ़ी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मप्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद बड़ी संख्या में नाम कटने का मामला सामने आया है। प्रदेशभर में एसआईआर प्रक्रिया के जरिए 42 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं। इससे राजनीतिक पार्टियों की चिंता बढ़ गई है। सत्तारूढ़ भाजपा में तो इस बात को लेकर मंथन शुरू हो गया है कि आखिर ऐसी स्थिति कैसे निर्मित हो गई है। इसको लेकर गतदिनों भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने चिंता व्यक्त की।

प्रदेश में एसआईआर के पहले फेज में लाखों की संख्या में नाम कटने से भाजपा की चिंता बढ़ गई है। इसको लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) की। इसमें सभी संभाग प्रभारी, एसआईआर की टीम और प्रमुख लोगों से सीधी बात की गई। प्रभारी ने कहा कि अभी तक मप्र का संगठन हर मामले की परफॉर्मेंस में नंबर एक रहता था, लेकिन एसआईआर में बुरी स्थिति हो गई है। वीसी में प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी जुड़े।

प्रभारी ने दिखाई सख्ती–प्रभारी ने सख्त लहजे में यह भी कहा कि समय निकल रहा है। दूसरा फेज चालू है। 10 जनवरी तक यह प्रयास किया जाए कि एएसडी (अनुपस्थित या एबसेंट, स्थानांतरित या शिफ्टेड और मृत या डेथ) में जो भी कमी रही है, उसे तुरंत पूरा किया जाए। एएसडी में ऐसे लोगों के नाम कट गए, जो वर्तमान में हैं तो उन्हें तुरंत जोड़ा जाए। विधायक और विधानसभा क्षेत्रों के हारे हुए प्रत्याशी अपनी जिम्मेदारी समझें। अब उन्हें सक्रिय होना होगा। करीब पौन घंटे चली वीसी में प्रभारी ने कहा कि 10 जनवरी तक ज्यादा से ज्यादा नाम जुड़वाने के प्रयास हो। साथ ही हर बूथ पर कम से कम 50 नए वोटर बनें। सभी को 6,7 और 8 नंबर फॉर्म भी देने की बात कही गई। वीसी के बाद दो डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला और जगदीश देवड़ा को क्रमशः रीवा-शहडोल और उज्जैन जोन की जवाबदारी दी गई। पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल को सागर, पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह को जबलपुर व नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को इंदौर जोन का जिम्मा दिया गया है। प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने भोपाल व नर्मदापुरम जोन अपने पास रखा है।

डिजिटलाइजेशन पर उठाया सवाल

भाजपा में एसआईआर के संयोजक व विधायक भगवानदास सबनानी और प्रदेश मंत्री व सह संयोजक रजनीश अग्रवाल ने चुनाव आयोग को को ज्ञापन दिया। इसमें बड़ा आरोप लगाया गया है कि भाजपा को यह जानकारी कई बूथों से मिली है कि फॉर्म जमा करने के बाद भी डिजिटलाइज नहीं किया जा रहा है। जमा किए गए सभी फॉर्म की संख्या और डिजिटलाइज फॉर्म की संख्या की रोजाना जानकारी दी जाए। साथ ही जिन व्यक्तियों को नो-मैपिंग के प्रकरणों में सुनवाई के लिए प्रतिदिन बुलाया जा रहा है, उनकी सूची भी हमारे बीएलए-एक को दी जाए। ताकि इस श्रेणी के वोटरों को पहचान पत्र लेकर संबंधित अधिकारी के समक्ष अपना दावा प्रस्तुत करने की सलाह दी जा सके। भाजपा ने आयोग से कहा कि सभी राजनैतिक दलों के बीएलए-2 के द्वारा प्रत्येक बूथ पर फॉर्म-6, 7 और 8 प्रस्तुत किए जा रहे हैं, उसका विवरण विधानसभा वार रोज देने की व्यवस्था की जाए। इससे जिन बूथ पर कार्य धीमा चल रहा है, वहां ठीक से काम किया जा सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।